www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, शुक्रवार
24 जुलाई 2026
वर्ष: 49
अंक: 85 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

पुलिसकर्मी की छात्रों को धमकी, ड्रग्स केस में फंसा देंगे

- वीडियो वायरल, मुंबई पुलिस ने आरोपी को काम से हटाया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के एक पुलिसकर्मी ने नीट पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों को प्रदर्शन से दूर रखने के लिए ड्रग्स के झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी है। इस घटना का वीडियो मुंबई कांग्रेस के एक्स हैंडल पर पोस्ट किया गया है। यह वीडियो वायरल है। पिछले कुछ दिनों में शिवाजी पार्क, चेंबूर और आजाद मैदान जैसी मुंबई की कई जगहों पर बड़ी संख्या में छात्र और नागरिक विरोध-

प्रदर्शन कर रहे हैं। मुंबई कांग्रेस के पोस्ट किए गए वीडियो में एक पुलिसकर्मी छात्रों के एक समूह को धमकी देता हुआ दिख रहा है कि अगर वे दोबारा विरोध-प्रदर्शन में शामिल हुए, तो उन्हें ड्रग्स के झूठे मामले में फंसा दिया जाएगा। इस घटना को गंभीरता से लेते हुए, मुंबई पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। जांच के नतीजे आने तक, वीडियो में वर्दी में दिख रहे पुलिसकर्मी को उसकी मौजूदा पोस्टिंग से हटा दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जांच के नतीजों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घाटी में लश्कर के 2 आतंकियों के घर ढहाए गए

- जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में हेड कॉन्स्टेबल की हत्या में थे शामिल

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में प्रशासन ने गुरुवार को लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों के घर आईईडी लगाकर ध्वस्त कर दिए। यह कार्रवाई लाल चौक में पुलिस बल के हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी की हत्या के एक दिन बाद की गई। अधिकारियों के मुताबिक, जिन आतंकियों के मकान गिराए गए उनमें बिजबेहड़ा के

गुरी गांव निवासी आदिल ठोकर और हसनपोरा निवासी हारून गनई शामिल है। मंगलवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे कॉन्स्टेबल कुरैशी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हमले में ये दोनों आतंकी भी शामिल थे। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग स्थित लाल चौक पर आतंकियों ने इस कायराना वारदात को अंजाम दिया था। भारतीय रिजर्व पुलिस और एसओजी से जुड़े हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी अमरनाथ यात्रा ड्यूटी पर तैनात थे। जिस वक्त यह हमला हुआ, उस समय खराब मौसम के कारण अमरनाथ यात्रा रुकी हुई थी।

सुप्रीम कोर्ट से जमानत रद्द

सोनम रघुवंशी फिर जेल जाएगी

तीन हफ्ते में सरेंडर करना होगा, पुलिस को 6 महीने में ट्रायल पूरा करने के आदेश

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी की जमानत सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दी। कोर्ट ने मेघालय पुलिस की याचिका पर सुनवाई के बाद गुरुवार को फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने सोनम को तीन हफ्ते में सरेंडर करने का आदेश दिया है। यानी सोनम को फिर जेल जाना होगा। कोर्ट ने कहा कि

हाईकोर्ट और ट्रायल कोर्ट ने गिरफ्तारी के आधारों की जानकारी दिए जाने में कथित खामियों के आधार पर जमानत देकर गलती की थी। इसके साथ ही कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिया कि मामले का ट्रायल 6 महीने के भीतर पूरा किया जाए। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर तय अवधि में ट्रायल पूरा नहीं होता है तो सोनम रघुवंशी दोबारा जमानत के लिए आवेदन कर सकती है।

गिरफ्तारी के आधार बताए गए थे, इसलिए जमानत गलत

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 22(1) के तहत गिरफ्तारी के आधार की जानकारी देना अनिवार्य है, लेकिन इस मामले में गिरफ्तारी के आधार बताने में पूरी तरह नाकामी नहीं हुई थी। कोर्ट के अनुसार, गिरफ्तारी के आधार बिल्कुल न बताना और उनमें कुछ जानकारी का अपर्याप्त होना, दोनों अलग-अलग स्थितियां हैं। इसलिए केवल तकनीकी कमी के आधार पर जमानत देना उचित नहीं था। कोर्ट ने यह भी कहा कि सोनम ने मजिस्ट्रेट के सामने गिरफ्तारी के आधार और संबंधित दस्तावेज मिलने की पुष्टि की थी। साथ ही स्पष्ट किया कि यदि गिरफ्तारी की प्रक्रिया में कोई कमी भी हो, तब भी जांच एजेंसी जरूरत पड़ने पर दोबारा गिरफ्तारी कर सकती है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वरेले की बेंच ने कहा कि मेरिट के आधार पर सोनम की जमानत याचिकाएं पहले ही खारिज हो चुकी हैं और मुकदमे की सुनवाई शुरू हो गई है। ऐसे में इस चरण पर आरोपी का जमानत पर बाहर रहना ठीक नहीं है।

ईरान का मिडिल-ईस्ट में अमेरिकी बेस पर हमला

- बड़ा दावा-जॉर्डन में थाड डिफेंस सिस्टम किया तबाह

कुवैत में ड्रोन ठिकाने को निशाना बनाया, कई हमले

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने मिडिल-ईस्ट में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले किए हैं। सेना ने जॉर्डन और कुवैत में यूएस बेस पर ड्रोन और मिसाइल दागी हैं। आईआरजीसी ने दावा किया कि जॉर्डन में तैनात अमेरिकी थाड (टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस) एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया गया है। इसके अलावा कुवैत में अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन के ऑपरेशन बेस पर भी हमला किया गया। ईरान का कहना है कि ये कार्रवाई हाल के अमेरिकी हमलों के जवाब में की गई है। इससे पहले अमेरिका ने बुधवार रात ईरान में इराक बॉर्डर पर स्थित शलमचेह बॉर्डर क्रॉसिंग पर हवाई हमला किया। खुजेस्तान प्रांत के डिप्टी

गवर्नर ने बताया कि इस हमले में दो लोगों की मौत हुई है। ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान होर्मुज स्ट्रेट में किसी जहाज पर हमला करता है, तो अमेरिका जवाब में ईरान के पुलों को निशाना बनाएगा।

जंग में अब तक 18 अमेरिकी सैनिकों की मौत- अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, मौजूदा संघर्ष में अब तक 18 अमेरिकी सैनिक मारे जा चुके हैं, जबकि सैकड़ों सैनिक घायल हुए हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बताया कि ईरान के साथ युद्ध पर अब तक 37.5 अरब डॉलर (करीब 3.6 लाख करोड़) खर्च हो चुके हैं। अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने के बीच ब्रेंट क्रूड की कीमत 92.01 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई, जबकि क्रूड 85.16 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

प्रियंका नारे लगाते हुए एनडीए सांसदों के पास पहुंचीं

- संसद के बाहर एनडीए व इंडिया ब्लॉक आमने-सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के चौथे दिन गुरुवार को संसद भवन के बाहर एनडीए और विपक्ष आमने-सामने आ गए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव समेत विपक्षी सांसदों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। विपक्ष के सामने एनडीए के सांसद भी

विरोध प्रदर्शन में उतर गए। इस दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। एनडीए सांसद पीएम आवास के बाहर 21 जुलाई को राहुल के धरने का विरोध कर रहे हैं। वहीं इंडिया ब्लॉक नीट पेपर लीक को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहा है। प्रदर्शन के दौरान प्रियंका गांधी एनडीए सांसदों के बिल्कुल करीब चली गईं। सुरक्षाकर्मियों ने बीच में आकर उन्हें रोका। संसद के भीतर भी हंगामा जारी रहा। इसके कारण लोकसभा और राज्यसभा स्थगित कर दी गई।

पेपर लीक मामलों की फास्ट ट्रैक कोर्ट में होगी सुनवाई

- नीट विवाद के बीच पीएम मोदी का ऐलान, सरकार ऐक्टिव

पीएम ने कहा-दोषियों को दिलाई जाएगी सख्त से सख्त सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। छात्रों द्वारा नीट पेपर लीक को लेकर चल रहे धरना प्रदर्शन के बीच युवाओं और छात्रों के हितों की रक्षा के लिए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स लिखा कि पेपर लीक मामलों की त्वरित सुनवाई और दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिलाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई होगी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, देश के युवाओं का हित और उनका भविष्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पेपर लीक के सभी मामलों में दोषियों को जल्द से जल्द कठोर दंड देने के लिए, केस के त्वरित निस्तारण के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट्स का गठन किया जाएगा। इस संबंध में निर्देश दे दिए गए हैं कि संबंधित विभाग आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। विद्यार्थियों के हितों को सुरक्षित करने के लिए, सरकार द्वारा लिए जा रहे निर्णयों की श्रृंखला में ये एक महत्वपूर्ण कदम है। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़

करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। राज्य/सरकार द्वारा फास्ट ट्रैक कोर्ट्स का गठन किया जाएगा। गौरतलब है कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्र नीट पेपर लीक मामले को लेकर धरना प्रदर्शन दे रहे हैं और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। छात्रों के साथ विपक्षी दल भी इस प्रदर्शन में शामिल हैं। इस बीच को भी छोड़ा नहीं जाएगा और उन पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

पेपर लीक केस के लिए पहली बार फास्ट ट्रैक कोर्ट

देश में अब तक पेपर लीक मामलों की सुनवाई सामान्य अदालतों में होती थी, इसलिए फैसला आने में कई साल लग जाते थे। अब प्रधानमंत्री ने इसके लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की घोषणा की है, ताकि फैसला तेजी से हो सके। भारत में फास्ट ट्रैक कोर्ट की शुरुआत साल 2000 में हुई थी। इनका गठन 11वें वित्त आयोग की सिफारिश पर किया गया था। आयोग ने देशभर में 1734 फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने के लिए स्पेशल फंड की अनुशंसा की थी। फास्ट ट्रैक कोर्ट का रिकॉर्ड भी बेहतर रहा है। केंद्र सरकार के अनुसार, रेप और पाक्सो मामलों के लिए बनी फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 2019 से 2025 तक 3.06 लाख से ज्यादा मामलों का निपटारा किया है। इन अदालतों में मामलों के निपटारे का रेट 96.28 फीसदी है, यानी जितने नए मामले आए हैं।

मेदांता में 600 जवानों की सिक्योरिटी में सोनम वांगचुक

बोले-सरकार का भरोसा मिले तो आज ही अनशन खत्म

गुरुग्राम (एजेंसी)। सोनम वांगचुक के अनशन का गुरुवार को 26वां दिन है। गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती हुए उन्हें दो दिन हो चुके हैं। बुधवार को उनसे मिलने पहुंचे आम आदमी पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा और समाजवादी पार्टी के 15 विपक्षी सांसदों को पुलिस ने रोक दिया था। पुलिस और सांसदों के

बीच बहस हुई। नाराज सांसद गेट पर ही धरने पर बैठ गए। इसे लेकर करीब एक घंटे तक हंगामा चला। इसके बाद सोनम ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो मैसेज जारी किया, जिसमें कहा- अनशन को 25 दिन बीत गए हैं लेकिन अभी तक जिंदा हूं। कुछ सांसद मुझसे मिलने आए, उन्होंने भूख हड़ताल खत्म करने की अपील की। मुझे अगर सरकार की तरफ से भरोसा मिले तो मैं अनशन खत्म कर दूंगा।

बातचीत को तैयार सरकार, प्रदर्शन पर अड़ी सीजेपी

सरकार बोली-कॉकरोच पार्टी को चार बार बातचीत के लिए बुलाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने गुरुवार को कहा कि वह कॉकरोच जनता पार्टी के साथ किसी भी समय बातचीत के लिए तैयार है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने दावा किया कि बुधवार दोपहर से अब तक सीजेपी को चार बार प्रस्ताव भेजा गया है। जेपी नड्डा के घर या ऑफिस, कहीं भी बातचीत हो सकती है और दोनों मंत्री इसमें शामिल होंगे। दूसरी ओर सीजेपी ने सरकार का प्रस्ताव ठुकरा दिया। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि अगर सरकार बातचीत करना चाहती है तो जंतर-मंतर आए या प्रदर्शन स्थल के पास किसी न्यूट्रल जगह पर बातचीत करे। सौरव ने कहा- हमें पुलिस ने बताया कि सरकार ने बातचीत के लिए बुलाया है, लेकिन हम किसी के घर या ऑफिस नहीं जाएंगे। दिल्ली के जंतर-मंतर पर सीजेपी के नेतृत्व में छात्रों का प्रदर्शन 20 जून से जारी है। प्रदर्शनकारी नीट पेपर लीक मामले में जवाबदेही तय करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। वहीं, आंदोलन से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक 28 जून से अनिश्चितकालीन अनशन पर हैं और फिलहाल गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती हैं।

दिल्ली की आग पहुंची दरभंगा, भारी बवाल

- ...प्रदर्शन में जमकर पथराव, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

सिटी ...एसपी सहित सिपाही को लगी चोट, छात्रों का गुस्सा फूटा

दरभंगा ... (एजेंसी)। दिल्ली और पटना की आग ... गा पहुंच चुकी है। दरभंगा में छात्रों ने दि... में सीजेपी प्रोटेस्ट के समर्थन और दिल्ली ... छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में ... र्शन किया। छात्रों ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर सड़कों पर उतर गए। इस दौरान छात्रों ने लोहिया चौक पर पथराव करना शुरू कर दिया। इस पथराव में दर्जन भर राहगीर घायल हो गए। पथराव रोकने के क्रम में एक सिपाही को गंभीर चोट लग गई। वहीं सिटी एसपी अशोक कुमार चौधरी के पैर में चोट लगी है। गंभीर रूप से घायल पुलिसकर्मियों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलते डीएम कौशल कुमार, डीआईजी मनोज कुमार तिवारी, एसएसपी जगुनाथ रेड्डी सहित भारी संख्या में पुलिस पहुंची।

छात्रों पर पुलिस का लाठीचार्ज- स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। इसके बावजूद जब भीड़ नहीं हटी तो दंगा नियंत्रण के तहत सात राउंड आंसू गैस के गोले छोड़े। घटना के करीब दो घंटे बाद भी पूरे लहेरियासराय थाना क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। बताया जाता है कि बिना पूर्व सूचना के करीब दो हजार से अधिक छात्र दरभंगा शहर के कर्पूरी चौक पर एकत्र हुए।

गाजीपुर में 51 लाइसेंस पर 145 हथियार

सपा सांसद अफजाल भी फंसे, मुख्तार के गिरोह की थी साजिश

गाजीपुर (एजेंसी)। गाजीपुर लोकसभा क्षेत्र के समाजवादी पार्टी के सांसद अफजाल अंसारी हथियारों के लाइसेंसों में की गई गड़बड़ी के मामले में फंस गए हैं। यहां पर 51 शस्त्र लाइसेंसों पर 145 हथियारों की खरीद-बिक्री की गई है। यह करतूत दो क्लर्कों की मदद से की गई है। इस मामले में बाहुबली नेता और माफिया रहे मुख्तार अंसारी के भाई सांसद अफजाल अंसारी और कुख्यात आईएस-191 गिरोह के सदस्य कथित रूप से शामिल रहे हैं। पुलिस ने अफजाल और दो लिपिकों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, जिले के अभिलेखागार से शस्त्र लाइसेंस और उसकी खरीद-बिक्री से जुड़ी पत्रावली गायब कर दी गई है। इस मामले में सपा सांसद अफजाल अंसारी, तत्कालीन शस्त्र लिपिक अशफाक अहमद और गौरी शंकर राम के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने

एफआईआर दर्ज की है। बताया जाता है कि यह गड़बड़ी सांसद अंसारी ने दोनों क्लर्कों की मिलीभगत से की थी। अब पुलिस मुख्तार अंसारी के आईएस-191 गिरोह के गुर्गों और उनके सहयोगियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

आईएस-191 गिरोह के सदस्यों के हैं हथियार लाइसेंस- एसपी डॉ ईरज राजा के अनुसार माफिया सरगना रहे मुख्तार अंसारी और उसके परिवार के लोगों ने आईएस-191 गिरोह के सदस्यों व सहयोगियों के नाम से जारी किए गए हथियारों के 51 लाइसेंसों की खरीद-बिक्री की थी। इसकी जांच दो महीने तक चली। पुलिस ने उत्तर प्रदेश के कई जिलों के अलावा दिल्ली, पंजाब, राजस्थान और अरुणाचल प्रदेश के जिलाधिकारी कार्यालयों व लाइसेंसी दुकानों पर जाकर जांच की। इसमें शस्त्र लाइसेंस से जुड़ी पत्रावलियों और उस पर खरीदे गए हथियारों का सत्यापन कराया गया। इस जांच से पता चला कि 51 शस्त्र लाइसेंसों पर 145 हथियार खरीदे और बेचे गए हैं।

- अंसारी के लाइ... की पत्रावली गायब- पुलिस अधीक्षक ने ब... कि कलेक्टर कार्यालय से जो जानकारी मिल... इसके अनुसार अभिलेखागार में पत्रावलियां मौ... नहीं हैं। अफजाल अंसारी के नाम से जारी लाइसेंस... या 1188 पी2 की पत्रावली भी गायब मिली। इ... ड़बड़ी कलेक्ट्रेट के शस्त्र लिपिकों की मिलीभगत ... की गई थी। लाइसेंस पर खरीदी गई राइफल (नंबर ...0405) की जानकारी भी नहीं मिली। इस पर ... से ने लाइसेंसधारक अफजाल अंसारी, तत्का... शस्त्र लिपिक अशफाक अहमद और गौरी शंक... म के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। ... के मुताबिक 30 साल पहले भी अलग-अलग ... एजेंसियों ने इस मामले में कार्रवाई की थी। मऊ, ... मगढ़ और गाजीपुर से फर्जी लाइसेंस जारी ... गए थे। जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आ... । पता चला है कि आरोपी और उनसे जुड़े लोग अपने ... व का इस्तेमाल करते थे।

हर छात्र आंदोलन लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं: तसलीमा

- नसरीन की चेतावनी, बोलीं-बांग्लादेश सा न हो जाए भारत का हाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र आंदोलन को लेकर बांग्लादेश की लेखिका तसलीमा नसरीन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लिखा कि जंतर-मंतर पर जुटे कॉकरोच आंदोलन के प्रदर्शनकारियों को देखकर उन्हें बांग्लादेश के जुलाई 2024 के छात्र

आंदोलन की याद आ गई। उन्होंने कहा कि उस आंदोलन की शुरुआत आरक्षण और मेरिट के मुद्दे से हुई थी, लेकिन बाद में वह सरकार बदलने की मांग तक पहुंच गया।

श्रमिक कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है सरकार : धामी

मुख्यमंत्री ने किया उत्तराखंड भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की कई योजनाओं का शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को उत्तराखंड भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए अनेक नई कल्याणकारी योजनाओं का शुभारंभ किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने श्रमिक और श्रमिक परिवारों के लिए मुख्यमंत्री स्वास्थ योजना के अन्तर्गत 02 मेडिकल मोबाइल वैन का भी फ्लैग ऑफ किया।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सरकार श्रमिक कल्याण के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में आज शुरु की जा रही कल्याणकारी योजनाएं भी श्रमिकों और उनके परिवारों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगी। उन्होंने कहा कि ह्लमुख्यमंत्री पोषण योजनाह्व के माध्यम से जहां श्रमिक परिवारों को पोषण सहायता प्रदान की जाएगी। वहीं ह्लमुख्यमंत्री शिक्षा सामग्री योजनाह्व के माध्यम से श्रमिक भाई-बहनों के बच्चों को शिक्षा

सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिक परिवारों के बच्चों को कौशल प्रदान करने के लिए शुरु की जा रही, मुख्यमंत्री योग एवं वेलनेस आरोग्य योजना, के अंतर्गत पात्र छात्र-छात्राओं को योग एवं वेलनेस के क्षेत्र में निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। योजना के तहत हर साल 210 बच्चों को आवासीय सुविधायुक्त प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस योजना के तहत तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 70 युवाओं को भी प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद रोजगार से जोड़ने की भी व्यवस्था की गई है। इस मौके पर विधायक उमेश शर्मा काऊ सविता कपूर, दुर्गेश्वर लाल, राज्य सलाहकार संविदा बोर्ड के अध्यक्ष कैलाश पंत, सतर्कता समिति की अध्यक्ष गीता रावत, उपाध्यक्ष मोहनी पोखरिया, अध्यक्ष मीडिया सलाहकार समिति प्रो. गोविन्द सिंह,सचिव श्रीधर बाबू अद्यांकी, श्रमायुक्त पी. सी. दुम्का उपस्थित हुए।

श्रमेव जयते के मंत्र पर चल रही सरकार

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 में श्रमिकों के मान सम्मान को बढ़ाने के लिए''श्रमेव जयते'' का मंत्र दिया था। इसी क्रम में राज्य सरकार भी ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास'' के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए राज्य के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार श्रमिकों को केवल श्रमशक्ति नहीं, बल्कि उत्तराखंड की विकास शक्ति मानती है। सरकार का स्पष्ट संकल्प है कि जो हाथ प्रदेश के विकास का निर्माण करते हैं, उनका और उनके परिवार का जीवन भी सुरक्षित, स्वस्थ और समृद्ध होना चाहिए।

इसी सोच के तहत एक ओर राज्य सरकार श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान कर रही है। वहीं महिला श्रमिकों एवं श्रमिक परिवारों को मातृत्व के दौरान बेहतर देखभाल और पोषण के लिए आर्थिक सहायता भी उपलब्ध करा रही है। इसके अलावा श्रमिक परिवारों की बेटियों के विवाह के लिए भी आर्थिक सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

सीएम ने पेपर लीक मामलों पर प्रधानमंत्री के निर्णय का किया स्वागत

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पेपर लीक के मामलों में दोषियों के विरुद्ध त्वरित एवं कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित करने के निर्णय का स्वागत करते हुए इसे देश के युवाओं के हितों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह निर्णय लाखों विद्यार्थियों की मेहनत, प्रतिभा और भविष्य की सुरक्षा के प्रति प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि फास्ट ट्रैक कोर्ट की स्थापना से पेपर लीक के मामलों का शीघ्र निस्तारण होगा, दोषियों को समयबद्ध एवं कठोर दंड मिलेगा और भविष्य में ऐसे अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगेगा।

एक नजर

विकास कार्यों के लिए 4 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा मा. उच्च न्यायालय, उत्तराखण्ड में अत्याधुनिक पेपरलेस स्मार्ट वी.सी. बोर्डरूम की स्थापना किये जाने हेतु 1.20 करोड़ की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री द्वारा जनपद अल्मोड़ा के विधानसभा क्षेत्र सोमेश्वर के प्राचीन गोपेश्वर महादेव मंदिर का सौन्दर्यीकरण, घोट निर्माण एवं सुरक्षा चौक डैम बनाये जाने हेतु 98.25 लाख की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त में 58.95 लाख, जनपद उधम सिंह नगर के विधानसभा क्षेत्र नानकमत्ता में बंगाल कॉलोनी नानकमत्ता में नवनिर्मित दुर्गा मंदिर का सौन्दर्यीकरण किये जाने हेतु 56.51 लाख की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त में 33.90 लाख तथा जनपद उत्तरकाशी के विधानसभा क्षेत्र पुरोला में न्याय पंचायत मुख्यालय जखोल/फिताड़ी में श्री सोमेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण का समतलीकरण/सौन्दर्यीकरण किये जाने हेतु अवशेष धनराशि 1.85 करोड़ के सापेक्ष 1.09 करोड़ की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद पिथौरागढ़ के विधानसभा क्षेत्र डीडीहाट के खर्कदेश पट्टी अंतर्गत बटकेश्वर मंदिर एवं तीर्थ स्थल का सौन्दर्यीकरण/निर्माण किये जाने हेतु 63.39 लाख की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त में 38.03 लाख तथा जनपद रूद्रप्रयाग के विधानसभा क्षेत्र केदारनाथ में द्वितीय केदार श्री मद्महेश्वर धाम को विकसित किये जाने हेतु 54.81 लाख की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त में 32.88 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

अधिकारियों व कर्मचारियों को जनगणना का प्रशिक्षण दिया

गोपेश्वर। जनगणना के द्वितीय चरण को लेकर तैयारी शुरू हो गई है। इसी क्रम में बृहस्पतिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न चार्ज अधिकारियों व कर्मचारियों को द्वितीय चरण में होने वाले कार्यों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में 11 चार्ज क्षेत्रों के करीब 60 अधिकारी व कर्मचारी शामिल हुए। इसमें जिला जनगणना व हस्तपुस्तिका, ग्राम निर्देशिका व नगर निर्देशिका तैयार करने की प्रक्रिया, जनगणना से संबंधित प्रपत्रों के संधारण, अभिलेखों के सत्यापन सहित अन्य प्रशासनिक पहलुओं की जानकारी दी गई। प्रशिक्षकों ने कहा कि जनगणना कार्य अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इससे प्राप्त आंकड़े देश की विकास योजनाओं, संसाधनों के समुचित वितरण और नीति निर्माण में महत्वपूर्ण आधार होते हैं।

किशोरी के साथ दुष्कर्म, जांच में मिली गर्भवती

थराली। थाना क्षेत्र के एक गांव में युवक की ओर से किशोरी के साथ दुष्कर्म कर उसे गर्भवती करने का मामला प्रकाश में आया है। मामले में परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार परिजनों ने 22 जुलाई को दी तहरीर में बताया कि किशोरी ने पेट दर्द की शिकायत की थी। उसे अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने अल्ट्रासाउंड किया तो उसे 26 सप्ताह की गर्भवती बताया। पूछताछ में नाबालिग ने बताया कि एक युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। किसी को भी घटना की जानकारी देने पर उसे जान से मारने की धमकी दी।

कांवड़ मेले में सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण का प्लान बनाएं : एसएसपी

चंबा (टिहरी)। पुलिस लाइन में एसएसपी श्वेता चौबे ने अपराध गोष्ठी में पुलिस कार्यों की समीक्षा की। बैठक में उप निरीक्षक के पद पर तैनात रहे विनोद कुमार शर्मा और देहरादून में तैनात रहे अभिसूचना निरीक्षक मनोज मनराल के असामयिक निधन पर मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। गोष्ठी में एसएसपी ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की समस्याएं सुनते हुए त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उत्कृष्ट और सराहनीय कार्य करने वाले 36 पुलिस कर्मियों को इंप्लाई ऑफ द मंथ घोषित कर पुरस्कृत किया गया। अपराध की समीक्षा करते हुए एसएसपी ने कहा कि जिले में कानून–व्यवस्था को प्रभावित करने वाले तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करें। अपराधों पर अंकुश लगाने, लंबित विवेचनाओं का निस्तारण शीघ्र करने पर जोर दिया गया। पुलिस को आगामी कांवड़ मेला 2026 को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, संवेदनशील स्थानों की निगरानी, पार्किंग व्यवस्था, डायवर्जन प्लान और श्रद्धालुओं के साथ विनम्र और सहयोगात्मक व्यवहार करने के निर्देश दिए गए।

कांवड़ यात्रा क्षेत्र 7 जोन व 23 सेक्टरों में विभाजित

यमकेश्वर। कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बनाने के लिए पूरे यात्रा क्षेत्र को 7 जोन व 23 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। यात्रा मार्ग पर महिलाओं के लिए पिंक शौचालय, सैनिटरी वेंडिंग मशीन व फीडिंग रूम की विशेष तौर पर व्यवस्थाएं होंगी। डीएम पौड़ी स्वाति भदौरिया ने सभी विभागों को 25 जुलाई तक शेष कार्य हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए। बृहस्पतिवार को डीएम स्वाति एस भदौरिया ने कांवड़ यात्रा में तैनात सभी जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ वर्चुअल समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि अधिकांश तैयारियां पूरी हो चुकी हैं.

विद्यालय को तोड़ने की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग

देहरादून, आज वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी देहरादून से मुलाकात कर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के आदेश के संदर्भ में एक लिखित ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय को कथित अवैध अतिक्रमण बताकर की जा रही तोड़फोड़ की कार्रवाई, बरातघर, शौचालय एवं अन्य स्थानों पर प्रस्तावित ध्वस्तीकरण पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

ज्ञापन में मांग की गई कि प्रशासन पहले पूरे मामले का पुनः स्थलीय निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति का निष्पक्ष मूल्यांकन और सत्यापन कराए। सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने तक विद्यालय को किसी भी प्रकार की कार्रवाई से सुरक्षित रखा जाए।

कांग्रेस नेताओं ने जिलाधिकारी को बताया कि इस विद्यालय में वर्तमान में 300 से अधिक बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। यदि विद्यालय को ध्वस्त किया गया तो इन बच्चों की पढ़ाई गंभीर रूप से प्रभावित होगी और उनके सामने शिक्षा जारी रखने का संकट खड़ा हो जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि बच्चों के शिक्षा के अधिकार की रक्षा करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है, इसलिए विद्यालय को सुरक्षित रखा जाना चाहिए।

प्रतिनिधिमंडल ने यह भी कहा कि शिक्षा से जुड़े संस्थानों पर बिना पूर्ण सत्यापन और वास्तविक

स्थिति का आकलन किए कार्रवाई करना उचित नहीं है। जिला प्रशासन से जनहित और बच्चों के भविष्य को सर्वोपरि रखते हुए संवेदनशील एवं न्यायसंगत निर्णय लेने का अनुरोध किया गया।

कांग्रेसियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन

घनसाली /नरेंद्रनगर / कंडीसौड़। पेपर लीक,जंतर–मंतर में छात्रों पर लाठीचार्ज और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ हुए दुर्व्यवहार के विरोध में कांग्रेसियों ने घनसाली, नरेंद्रनगर और कंडीसौड़ बाजार में केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। घनसाली में कांग्रेसियों ने पुतला दहन किया। जबकि नरेंद्रनगर और कंडीसौड़ में पुलिस ने दहन से पहले ही पुतलों को छीनकर अपने कब्जे में ले लिया। घनसाली बाजार में कांग्रेस और यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ बाजार में प्रदर्शन किया। इंद्रमणि बडोनी चौक पर उन्होंने केंद्र सरकार पुतला दहन किया। पूर्व विधायक भीमलाल आर्य और ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष सुंदर लाल उनियाल ने कहा कि जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं दे देते हैं, और छात्रों को न्याय नहीं मिल जाता कांग्रेस का विरोध जारी रहेगा। इस मौके पर जसवीर सिंह, लक्ष्मी प्रसाद जोशी, बालकृष्ण नौटियाल, सूरत रावत, अब्बल रावत, शशांक जोशी, अरुण टम्टा, आयुषी सेमवाल, प्रियंका उनियाल आदि मौजूद रहे। वहीं, नरेंद्रनगर में कांग्रेसियों ने सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान के खिलाफ नारेबाजी की। लेकिन पुतला दहन करने के पूर्व पुलिस के जवानों उनसे पुतला छीन लिया। विरोध में कांग्रेसियों ने नगर के मुख्य मार्गों पर नारेबाजी करते हुए विरोध जताया। इस मौके पर सूरत सिंह आर्य, पूर्व पालिका अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राणा, सूरत नेगी, जयपाल नेगी, मनवीर नेगी, अरविंद रावत, रविंद्र नेगी, आयुष बेलवाल आदि मौजूद थे।

बारिश से अलग—अलग क्षेत्रों में दो स्कूलों की सुरक्षा दीवारें टूटी

नई टिहरी। जिले में रुक–रुककर हो रही बारिश के बीच अलग–अलग क्षेत्रों में अतिवृष्टि से पांच स्थानों पर नुकसान हुआ है। घनसाली के म्यूंडी और नरेंद्रनगर के आमपाटा में दो आवासीय भवन क्षतिग्रस्त हो गए। जाखणीधार के मठयाली में दो घरों के आंगन को नुकसान पहुंचा जबकि कीर्तिनगर ब्लॉक के पठवाड़ा में प्राथमिक विद्यालय की सुरक्षा दीवार और नैनबाग क्षेत्र के ऐंदी में प्राथमिक विद्यालय की सुरक्षा दीवार व मुख्य मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया। इसके अलावा मलबा और बोल्डर गिरने से 11 मोटर मार्गों पर यातायात बाधित है। घनसाली तहसील के म्यूंडी गांव में अतिवृष्टि से चैत सिंह का आवासीय भवन क्षतिग्रस्त हो गया। नरेंद्रनगर के आमपाटा गांव निवासी फुलदेई पत्नी प्रेम सिंह के आवासीय भवन की छत और सीलिंग को नुकसान पहुंचा है। जाखणीधार तहसील के नंदगांव के मठयाली गांव निवासी कृष्णदत्त नौटियाल और भगतलाल के आवासीय भवनों के आंगन क्षतिग्रस्त हुए हैं। कीर्तिनगर ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय पठवाड़ा का आंगन की सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं नैनबाग तहसील के बसाणगांव के ऐंदी गांव में प्राथमिक विद्यालय सेंद्री की सुरक्षा दीवार और मुख्य मार्ग को नुकसान पहुंचा है। अतिवृष्टि से जौनपुर विकासखंड की ऐंदी नहर बागवाना नामे तोक में और भिलंगना ब्लॉक की मुंडी नहर भगडेरा नामे तोक में क्षतिग्रस्त हो गई।

दिव्यांगजनों के लिए अस्पताल में खुलेगी कैंटीन

देहरादून, दिव्यांगजनों के पुनर्वास, सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में देहरादून जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह की अध्यक्षता में गांधी शताब्दी जिला राजकीय चिकित्सालय स्थित जिला दिव्यांग एवं पुनर्वास केंद्र (डीडीआरसी) की त्रैमासिक जिला प्रबंध समिति (डीएमटी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्र की छह माह की उपलब्धियों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

950 नए यूडीआईडी कार्ड बने, 95 का हुआ नवीनीकरण

बैठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी दीपांकर घिल्डियाल ने बताया कि पिछले छह माह के दौरान डीडीआरसी के माध्यम से 950 दिव्यांगजनों के नए यूडीआईडी (वछ०ॆी ऊ्रु,' ३८ कऊ) कार्ड बनाए गए, जबकि 95 कार्डों का नवीनीकरण किया गया।उन्होंने बताया कि केंद्र के माध्यम से दिव्यांगजनों को दिव्यांगता प्रमाण–पत्र

और यूडीआईडी कार्ड बनवाने में सहायता प्रदान की जाती है। साथ ही पात्र लाभार्थियों को व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, श्रवण यंत्र, कृत्रिम अंग, बैसाखी और ब्रेल किट सहित विभिन्न सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं।

25 लाख के वार्षिक बजट को मिली मंजूरी

बैठक में जिला प्रबंध समिति ने डीडीआरसी के वर्षभर के संचालन के लिए लगभग 25 लाख रुपये के वार्षिक बजट को मंजूरी दी। इसके साथ ही केंद्र की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए नया कंप्यूटर, प्रिंटर, फिजियोथेरेपी उपकरण और अन्य आवश्यक सामग्री खरीदने की भी स्वीकृति प्रदान की गई।

दिव्यांगजन चलाएंगे अस्पताल की कैंटीन

बैठक की सबसे महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने निर्देश दिए कि गांधी शताब्दी जिला राजकीय चिकित्सालय परिसर में दिव्यांगजनों द्वारा संचालित कैंटीन स्थापित करने की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए।

उन्होंने कहा कि इस पहल से दिव्यांगजनों को स्वरोजगार, आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा। जिला समाज कल्याण अधिकारी को इस संबंध में शीघ्र विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए।

योजनाओं का होगा व्यापक प्रचार—प्रसार

मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि डीडीआरसी द्वारा उपलब्ध कराई जा रही निःशुल्क सेवाओं, सहायक उपकरणों और सरकारी योजनाओं का सोशल मीडिया एवं अन्य जनसंचार माध्यमों के जरिए व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र दिव्यांगजन इन सुविधाओं का लाभ उठा सकें।

दून अस्पताल के बच्चों के वार्ड में आधी रात आग

देहरादून, राजधानी देहरादून स्थित दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल की आयुष्मान विंग के पीडियाट्रिक (बच्चों) वार्ड में बुधवार रात करीब 10:30 बजे अचानक एग्जास्ट फैन में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। कुछ ही मिनटों में पूरे वार्ड में धुआं भर गया, जिससे भर्ती बच्चों और उनके परिजनों में अफरा–तफरी मच गई। हालांकि ड्यूटी पर मौजूद नर्सिंग स्टाफ और कर्मचारियों की तत्परता के चलते बड़ा हादसा टल गया और वार्ड में भर्ती 24 मासूम बच्चों को सुरक्षित दूसरे वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पहले वार्ड में लगे एग्जास्ट फैन से धुआं निकलना शुरू हुआ। देखते ही देखते फैन से आग की लपटें उठने लगीं और धुआं पूरे वार्ड में फैल गया। अचानक हुए इस घटनाक्रम से बच्चों के तीमारदार घबरा गए और वार्ड में अफरा–तफरी का माहौल बन गया।

मंदिर में चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

गोपेश्वर। चमोली कोतवाली के अंतर्गत खैनुरी गांव में मंदिर से चोरी करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से चोरी का सामान भी बरामद हो गया है। बुधवार 22 जुलाई को चमोली कोतवाली में चोरी की सूचना दी गई। बताया गया कि 21 जुलाई की रात को खैनुरी गांव में स्थित भूमियाल देवता मंदिर से चोरों ने चांदी का छत्र व चांदी की अंगूठी चोरी कर ली है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। एसपी चमोली सुरजीत सिंह पंवार के निर्देश पर चोरी के खुलासे के लिए टीम गठित की गई। शिकायत के चार घंटे बाद आरोपी लखपत सिंह (35) निवासी खैनुरी को गिरफ्तार कर लिया।

गुलदार ने दो बैलों को मारा, गांव में दहशत

लंबगांव (टिहरी)। प्रतापनगर क्षेत्र के उपली रमोली पट्टी के हेरवाल गांव में बुधवार शाम गुलदार ने जंगल में चर रहे दो बैलों को मार दिया है। घटना के बाद गांव में गुलदार की दहशत बनी हुई है। ग्रामीणों ने वन विभाग से गांव में गश्त टीम तैनात करने और गुलदार से सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार हेरवाल गांव निवासी गैणा देवी बुधवार को बैलों की जोड़ी को गांव के समीप जंगल में चराने ले गई थीं। शाम करीब चार बजे गुलदार ने दोनों बैलों पर हमला कर दिया जिससे दोनों मर गए। सूचना पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। गांव के राजेंद्र सिंह राणा ने

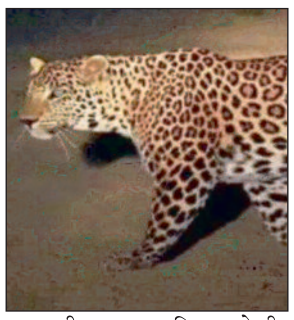

घटना की सूचना वन विभाग को दी। बृहस्पतिवार को वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। डिप्टी वन रेंजर काशीराम थपलियाल ने बताया कि जांच में दोनों बैलों की मौत गुलदार के हमले से होना पाया गया है।

26 लाख की स्मैक के साथ अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

विकासनगर,देहरादून पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत विकासनगर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। चौकी प्रभारी डाकपत्थर उपनिरीक्षक सतेन्द्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एक अंतरराज्यीय नशा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 86.31 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 26 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, 22 जुलाई को गैस गोदाम क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग के दौरान एक युवक को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में उसके पास से 86.31 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी की पहचान जाकिर (24 वर्ष) पुत्र निवासी बड़ा कुआं, मिर्जापुर, जनपद सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कोतवाली

विकासनगर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के

तहत मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

पूछताछ में हुआ बड़ा खुलासा

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह स्मैक को उत्तर प्रदेश के कैराना से खरीदकर लाया था। उसका उद्देश्य विकासनगर और आसपास के क्षेत्रों में नशे के आदी लोगों, औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत कामगारों तथा शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों तक इसकी सप्लाई करना था। पुलिस की सतर्कता के चलते वह अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सका।

पुलिस को मिले अहम सुराग

पूछताछ के दौरान आरोपी से अन्य नशा तस्करों और सप्लाई नेटवर्क से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग भी मिले हैं। पुलिस इन जानकारियों के आधार पर पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। अधिकारियों का कहना है कि नशे के कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

लोकतंत्र सेनानी नरेंद्र उनियाल को किया याद

लोकतंत्र में असहमति और सहिष्णुता पर हुई चर्चा

नरेंद्र उनियाल मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से देहरादून में आयोजित किया गया कार्यक्रम

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : नरेंद्र उनियाल मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से राज्य आंदोलन के सूत्रधार, गढ़वाल में विश्वविद्यालय निर्माण आंदोलन के प्रमुख प्रेरणास्त्रोत, जयप्रकाश (जेपी) आंदोलन के गढ़वाल संयोजक, धधकता पहाड़ एवं जयन्त जैसे चर्चित समाचार पत्रों के संस्थापक-संपादक व प्रमुख राष्ट्रवादी पत्रकार अमर शहीद लोकतंत्र सेनानी स्व. नरेंद्र उनियाल की 46वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस दौरान लोकतंत्र में असहमति और सहिष्णुता विषय पर चर्चा की गई।

देहरादून स्थित ऑफिसर्स ट्रांजिट हॉस्टल, रेसकोर्स में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार जय सिंह रावत ने की। कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकारों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने स्व. नरेन्द्र उनियाल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए उनके संघर्षपूर्ण जीवन, निर्भीक पत्रकारिता तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनके अद्वितीय योगदान को नमन किया। वक्ताओं ने कहा कि स्व. नरेन्द्र उनियाल ने अपने केवल 29 वर्ष के अल्प जीवनकाल में पत्रकारिता और जनआंदोलनों के क्षेत्र में वह पहचान बनाई, जो आज भी प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने निर्भीक, निष्पक्ष और जनपक्षधर पत्रकारिता को नई दिशा दी तथा अपने लेखन और वैचारिक नेतृत्व से उत्तराखण्ड की जनता की आवाज को राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने का कार्य किया। वक्ताओं ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य आंदोलन की वैचारिक नींव को मजबूत करने में स्व. उनियाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने गढ़वाल निर्माण विश्वविद्यालय आंदोलन को नई ऊर्जा प्रदान की तथा जेपी आंदोलन के दौरान गढ़वाल क्षेत्र में लोकतांत्रिक चेतना को जन-जन तक पहुँचाने का उल्लेखनीय कार्य किया। धधकता पहाड़ और जयन्त जैसे प्रकाशनों के माध्यम से उन्होंने समाज के वंचित, उपेक्षित और आम नागरिकों के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।

लोकतंत्र में असहमति बनाम असहिष्णुता' विषय पर विचार गोष्ठी

पुण्यतिथि के अवसर पर 'लोकतंत्र में असहमति बनाम असहिष्णुता' विषय पर आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने वर्तमान सामाजिक एवं राजनीतिक परिदृश्य में बढ़ती असहिष्णुता पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि असहमति लोकतंत्र की आत्मा है, क्योंकि यह विचारों की विविधता, संवाद और स्वस्थ विमर्श को जन्म देती है। इसके विपरीत असहिष्णुता लोकतांत्रिक मूल्यों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा आघात है। वक्ताओं ने कहा कि किसी भी सभ्य और लोकतांत्रिक समाज में विचारों में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन मनभेद नहीं होने चाहिए। लोकतंत्र में विभिन्न विचारों का सम्मान ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि बहुमत के आधार पर निर्णय लेना लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है, लेकिन विपक्ष और असहमत विचारों का सम्मान करना भी उतना ही आवश्यक है। स्वस्थ लोकतंत्र वही है, जहाँ संवाद, सहमति और असहमति-तीनों को समान महत्व दिया जाए।

पत्रकार हितों के लिए एकजुट होने का लिया संकल्प

गोष्ठी में उपस्थित पत्रकारों ने पत्रकारों के अधिकारों, सुरक्षा और सम्मान से जुड़े मुद्दों पर भी गंभीर चर्चा की। सभी वक्ताओं ने इस बात पर बल दिया कि पत्रकारों के हितों की प्रभावी रक्षा के लिए सभी पत्रकार संगठनों को व्यक्तिगत और संगठनात्मक मतभेदों से ऊपर उठकर एकजुट होना होगा। इस अवसर पर पत्रकारों के हितों एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सामूहिक संघर्ष का संकल्प भी लिया गया।

इन वक्ताओं ने रखे अपने विचार

कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार जय सिंह रावत, डॉ. बी.डी. शर्मा, भगीरथ शर्मा, ब्रह्मदत्त शर्मा, मीरा रावत, मनोज इष्टवाल, पुष्कर नेगी, अरुण शर्मा, मोहम्मद खालिद, दिगम्बर सिंह पंवार, अमित बडोला सहित अनेक पत्रकारों एवं प्रबुद्ध जनों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए स्व. नरेंद्र उनियाल के योगदान को स्मरण किया और उनके आदर्शों को वर्तमान समय में और अधिक प्रासंगिक बताया।

कार्यक्रम का संचालन सुभाष चंद्र नौटियाल ने किया, जबकि अंत में नरेंद्र उनियाल मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष नागेंद्र उनियाल ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन स्व. नरेंद्र उनियाल के आदर्शों पर चलने, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने तथा निर्भीक और जनपक्षधर पत्रकारिता की परंपरा को आगे बढ़ाने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

अरूण भट्ट ने किया याद

उत्तराखंड के निर्भीक पत्रकारिता के ध्वज वाहन व उत्तराखंड राज्य आंदोलन के अग्रणी स्व. नरेंद्र उनियाल की पुण्य तिथि पर अधिवक्ता व बार एसोशिएन के पूर्व अध्यक्ष अरूण कुमार भट्ट ने भी उन्हें श्रद्धंजलि दी। कहा कि समाज हित में दिए गए उनियाल के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

ओम गंधर्व ने जीता गोल्ड मेडल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बलूनी पब्लिक में नार्थ जोन आर्चरी चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें अंडर-14 के बालक वर्ग में उत्तर प्रदेश के जेपी नगर स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल के ओम गंधर्व ने सटीक निशाना साधते हुए गोल्ड मेडल हासिल किया। तीसरे दिन की खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ लैसडौन के विधायक दिलीप सिंह रावत, भाजपा के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह रावत, सूबेदार मेजर शैलेंद्र मोहन बिष्ट ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। सर्वप्रथम अंडर-14 के बालक वर्ग में तीरदांजी प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई। जिसमें उत्तर प्रदेश के जेपी नगर स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल के ओम गंधर्व प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल हासिल किया, शामली के स्काटिश इंटरनेशनल स्कूल के विराट पंवार ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर सिल्वर मेडल जीता। उत्तर प्रदेश के बागपत स्थित देव पब्लिक स्कूल के रघुवंश राणा ने तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक जीता। इस मौके पर बलूनी ग्रुप आफ एजुकेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर विपिन बलूनी, अनिल भोला, गुरू बच्चन सिंह, सोनिया रावत, अभिलाषा भारद्वाज मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/समन्वय द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक के सामने अंकित है। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आंमत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेंडर संख्या	139-DRM-MB-26-27 Date-23.07.2026
कार्य का नाम	Supplying & Loading, leading, unloading & stacking of 100000 cum machine crushed stone ballast of 65 mm gauge size as per Railway Specification including loading of ballast into Rly. Wagons / hoppers at Pathri Sub Depot-A under Sr.DEN/Co./MB.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	18.08.2026
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00
अनुमानित लागत	11,48,68,000.00
धरोहर राशि	22,97,400.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	09 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	04.08.2026

टेन्डर न. Sr.DEN-C/Publication/26-27 दिनांक 23.07.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2541/26

कोटद्वार-पुलिंडा मार्ग में खाई में मिली हरियाण नंबर की बाइक

खाई से मोटरसाकिल को बाहर निकलती पुलिस व लोग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार-पुलिंडा मोटर मार्ग पर गुरुवार सुबह एक हरियाणा नंबर की लावारिस बाइक खाई में मिलने से क्षेत्र में हलचल मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बाइक को खाई से बाहर निकाला और उसके स्वामी की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह सैर पर निकले स्थानीय लोगों की नजर सड़क से करीब 30 मीटर नीचे खाई में गिरी एक बाइक पर पड़ी। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद बाइक को खाई से बाहर निकाला। पुलिस के अनुसार, घटनास्थल पर किसी प्रकार के खून के निशान या ऐसे अन्य साक्ष्य नहीं मिले, जिनसे यह प्रतीत हो कि बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हुआ हो। हालांकि, सड़क किनारे बाइक के टायरों के निशान जरूर मिले हैं, जिससे आशंका है कि बाइक अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। जांच में पता चला कि बरामद बाइक हरियाणा नंबर की है और उसका पंजीकरण गुरुग्राम निवासी जुनैर पुत्र मोहम्मद के नाम पर है। पुलिस ने पंजीकृत मोबाइल नंबर पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन फोन स्वीच ऑफ मिला। इसके बाद गुरुग्राम पुलिस और संबंधित माध्यमों से वाहन स्वामी का पता लगाने की कार्रवाई तेज कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि बाइक खाई में कैसे पहुंची और उस समय उस पर कौन सवार था, इसका पता लगाने के लिए सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

मयंक ने नीट में पाई सफलता, गांव में खुशी की लहर

कीर्तिनगर : कीर्तिनगर विकासखंड की ग्राम पंचायत कणोली के काटल गांव निवासी मयंक लखेड़ा ने नीट में सफलता हासिल की। उनकी सफलता से बारजुला और अकरी पट्टी के गांवों में खुशी का माहौल है।

मयंक के पिता ओमप्रकाश लखेड़ा निजी क्षेत्र में कार्यरत हैं, जबकि माता रश्मि लखेड़ा गृहिणी हैं। श्रीनगर के कॉन्वेंट स्कूल से इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने नीट की तैयारी शुरू की।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे नाम पर ड्राईविंग लाईसेन्स संख्या- DL-1120130252332 पंजीकृत है। जिसमें मेरा नाम बिपिन चावला (BIPIN CHAWLA) तथा मेरे पिता का नाम आर के चावला (RK CHAWLA) दर्ज है। जबकि मेरा सही नाम बिपिन चावला (BIPIN CHAWLA) तथा मेरे पिता का सही नाम रमेश चावला (RAMESH CHAWLA) है। जो कि मेरे आधारकार्ड में दर्ज है। रमेश चावला (RAMESH CHAWLA) तथा आर के चावला (RK CHAWLA) स्वयं मेरे पिता के ही अलग-अलग नाम दर्ज हो गये हैं। उक्त नामों के अलग-अलग व्यक्ति नहीं हैं। अतः मेरे समस्त अभिलेखों में मेरे पिता का नाम रमेश चावला (RAMESH CHAWLA) दर्ज किया जाये।

बिपिन चावला पुत्र स्व0 रमेश चावला निवासी गोविन्दनगर, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0573/21)

उत्तर रेलवे

(शुद्धि पत्र)

विषयः— मुरादाबाद मंडल के सकेंत एवंम् दूरसंचार के टेंडर की निविदा के सम्बन्ध में।
सन्दर्भः (1) इस कार्यालय का टेंडर नोटिस संख्या SNT-Sig-Road-Signal,LC-344, AMC-Plotter, DRG MB,AFDAS-FIRE-BrokenELB, LC-Interlocking dated 15.07.2026
उक्त सन्दर्भ में मुरादाबाद मंडल की एस0 एंड टी० शाखा के निम्न कार्य के लिए निविदा खोलने की तिथि लागत राशि अग्रिम धन राशि मे बदलाव किया गया है

सं०	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	पुरानी लगभग लागत रुपये	नयी लगभग लागत रुपये	पुरानी अग्रिम धन रुपये	नयी अग्रिम धन रुपये	निविदा खोलने के लिए पुरानी तिथि और समय	निविदा खोलने के लिए नयी तिथि और समय
1	2	3	4	5	6	7	8
1	**SNT-Sig-LC-Interlocking-L** इंटरलॉकग ऑफ़ एल सी गे स TUV > 20000 इन थे ले टबोवर से शन ओवर मुरादाबाद डिवीज़न	-	-	-	-	12.08.2026 15:00	14.08.2026 15:00 hrs.
2	**04-SNT-FireDetectionMB** प्रोविजन ऑफ़ आटोमेटिक फिरे डिटेक्शन एंड अलार्म सिस्टम एट टेलिकॉम इंस्टालेशन ओवर मुरादाबाद डिवीज़न	99170328.51	61152892.97	1983400.00	1223100.00	12.08.2026 15:00	14.08.2026 15:00 hrs.
3	**SNT-AFDAS-FIRE-2025-26** प्रोविजन ऑफ़ फिरे सप्रेशन सिस्टम एट मुरादाबाद स्टेशन एंड रिप्लेसमेंट ऑफ़ नॉन RDSO AFDAS विथ RDSO एप्रूव्ड ओवर मुरादाबाद डिवीज़न		38017435.54		760400.00	12.08.2026 15:00	14.08.2026 15:00 hrs.

निविदा की अन्य नियम व शर्तो मे कोई बदलाव नही किया गया है। नोटः — निविदा के पूरा विवरण **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है।
Tender Notice- SNT-Sig-Road-Signal,LC-344,AMC-Plotter,DRG-MB,AFDAS-FIRE-BrokenELB, LC-Interlocking Date. 22.07.2026 2547/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

क्र. सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रु.)	कार्यालय का पता जहाँ से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है	बिड सिक्योरिटी	कार्य के पूरा करने की समय अवधि	निविदा प्रपत्र जमा करने तथा खुलने की दिनांक व समय	वेबसाइट एवं कार्यालय का पता
1.	**24/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा./मुरा/2026:**— मुरादाबाद डिवीजन के एडीएसटीई/HRI सेक्शन में एलसी गेट्स के इंटरलॉकिंग के लिए विद्युत कार्य (टीयूवी > 20000)।	1,55,52,709.35 (जीएसटी सहित)	विद्युत शाखा, मंडल रेल प्रबन्धक कार्यालय मुरादाबाद	3,11,100.00	6 (छः) माह	निविदायें दिनांक 14.08.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेंगी।	वेबसाइट www.ireps.gov.in मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय मुरादाबाद
2.	**25/वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा./मुरा/2026:**— मुरादाबाद डिवीजन (बचे हुए सेक्शन) में एलसी गेटों के इंटरलॉकिंग के लिए विद्युत कार्य	1,22,79,283.05 (जीएसटी सहित)		2,45,600.00			

सूचना सं. : 25/2026 दिनांक : 23.07.2026 2544/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जयंती पर लोकमान्य तिलक व चंद्रशेखर आजाद को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जानकी नगर स्थित हेमनदास सरस्वती शिशु मंदिर में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक एवं अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को दोनों महान स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन, संघर्ष और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य महेंद्र गौड़ ने दोनों महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया। इसके बाद शिक्षक मनोज जोशी ने प्रोजेक्टर के माध्यम से बाल गंगाधर तिलक और चंद्रशेखर आजाद के जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंगों का चित्रात्मक प्रस्तुतीकरण किया। शिक्षक योगेश नेगी ने चंद्रशेखर आजाद के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे अदम्य साहस और अचूक निशानेबाजी के लिए प्रसिद्ध महान क्रांतिकारी थे। उन्होंने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण देश की स्वतंत्रता के लिए समर्पित किया। वहीं शिक्षक अंचल कुमार अग्रवाल ने लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी और ह्लस्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगाह्व का ऐतिहासिक नारा देकर देशवासियों में आजादी की अलख जगाई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने दोनों महापुरुषों के जीवन पर आधारित प्रेरक प्रसंग, कविताएं और संस्मरण प्रस्तुत किए।

वक्ताओं ने छात्रों से उनके आदर्शों को अपनाकर राष्ट्रसेवा और समाजहित में कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रयाग दत्त चमोली, गीता रावत, सुनीता पंत, श्रेया चौधरी, अंजू चमोला, दीक्षा, पूजा चतुर्वेदी सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस प्रवेश की तैयारियां शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : नीट-यूजी 2026 का प्रवेश परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद वीर चंद्र सिंह गढ़वाली राजकीय मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस प्रवेश की तैयारियां शुरू हो गई हैं। 150 सीटों पर होने वाले प्रवेश के लिए कॉलेज प्रशासन ने व्यवस्थाओं को दुरुस्त करना शुरू कर दिया है। प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना ने गुरुवार को शैक्षणिक अनुभाग का निरीक्षण कर प्रवेश संबंधी तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रवेश प्रक्रिया के दौरान छात्रों और उनके अभिभावकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। सभी प्रवेश काउंटर सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किए जाएं। मेडिकल कॉलेज में 150 सीटों पर दिए जाने वाले प्रवेश में 85 प्रतिशत सीटें राज्य कोटे और 15 प्रतिशत सीटें अखिल भारतीय कोटे के माध्यम से भरी जाएंगी।

नीट मुद्दे पर छात्रों के समर्थन में कांग्रेस का प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री का पुतला फूंका

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विधानसभा यमकेश्वर के द्वारीखाल, यमकेश्वर और दुगड्डा ब्लॉक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नीट परीक्षा से जुड़े मुद्दों और छात्रों के समर्थन में प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा।

द्वारीखाल ब्लॉक मुख्यालय बिथ्याणी में पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद डबराल के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला फूंककर विरोध जताया गया। प्रदर्शन के उपरांत उपजिलाधिकारी चतर सिंह चौहान के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा गया। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि नीट परीक्षा से जुड़े विवादों को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी छात्रों के हितों की रक्षा के लिए उनके साथ खड़ी है। साथ ही नीट मामले की निष्पक्ष जांच और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराई। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष अनिल रतूड़ी, संजय तोमर, राजीव जखमोला, गंभीर सिंह, रमेश सिंह भंडारी, संजय लखेड़ा, हर्षमोहन बडोला, क्रांति कपरवाण, राजेंद्र सिंह, प्रताप सिंह, धनपाल सिंह, उमेद सिंह, भारत सिंह, नीतू सिंह और कोमल सिंह सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं, दुगड्डा कांग्रेस कमेटी ने भी गांधी चौक पर नगर अध्यक्ष रितेश ठाकुर के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। वक्ताओं ने केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए छात्रों के समर्थन में आवाज उठाई और निष्पक्ष जांच की मांग की। इस अवसर पर हरेंद्र रावत, विमल बिष्ट, वरुण नेगी, राकेश कुमार, शम्मी चड्ढा, धर्मेंद्र गोयल, दिनेश चौधरी, शिव सिंह रावत, बलवंत भंडारी और गंभीर सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केंद्र सरकार के खिलाफ आक्रोश रैली निकालते कांग्रेसी

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 पौड़ी

E Mail ID :- eepwdcdpauri@gmail.com, eepwdcdpauri@rediffmail.com, Fax & Phone No. (01368-222284)

पत्रांक 1313 /20ए0सी0 दिनांक 23/07/2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी के द्वारा निम्न कार्य की ई-निविदा (सिंगल बिड) आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित सभी सूचनायें http://www.uktender.gov.in पर दिनांक 28.07.2026 से उपलब्ध होगी।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा का मूल्य (रू0 में)	निविदा की वैद्यता (दिन)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह)	ठेकेदार की श्रेणी।
1	2	3	4	5	6	7
1	जनपद पौड़ी गढ़वाल के मुख्यालय पौड़ी में स्थित पुरानी जेल के संग्रहालय स्वरूप में विकसित करने का कार्य।	106000.00	4000.00+ 18% GST	90	06	लोक निर्माण विभाग भवन कार्य हेतु श्रेणी-''डी'' एवं उच्चतर
2	राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधानसभा क्षेत्र पौड़ी के विकासखण्ड कोट में देहलचौरी मोटर मार्ग से मंजाकोट मोटर मार्ग का सुधारीकरण एवं डामरीकरण का कार्य (लम्बाई 1.00 कि0मी0)	127000.00	4000.00+ 18% GST	90	06	लोक निर्माण विभाग मार्ग कार्य हेतु श्रेणी-''डी'' एवं उच्चतर

शर्ते
1- अधोहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये किसी भी निविदा को निरस्त / स्थगित करने का अधिकार सुरक्षित है।
2- निविदा शुल्क की धनराशि एवं 18 प्रतिशत जी0एस0टी0 शुल्क अलग-अलग मान्य होगा।
3- निविदादाता को सभी अभिलेख ऑन लाईन अपलोड करने हैं, कार्यालय में कोई भी अभिलेख मूल में जमा नहीं किया जाना है।
4- नॉन शेड्यूल बैंक की एफ0डी0आर0 स्वीकृत नहीं की जायेगी।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 पौड़ी

दैनिक जयन्त-विचार

संपादकीय

व्यवस्था का शर्मनाक चेहरा

दिल्ली के जंतर मंतर में प्रदर्शन के दौरान पुलिस कर्मियों के कुछ ऐसे वीडियो वायरल हुए हैं जिन्होंने पुलिस के काम करने के तरीके और लड़कियों के प्रति उनकी कई सोच भी उजागर की है। पूरे विश्व में दिल्ली पुलिस के कुछ कर्मचारियों के बेहद आपत्तिजनक वीडियो देखे जा रहे हैं इसके बाद एक आईपीएस अधिकारी को दिल्ली रेंज से हटकर उनके नॉर्थ ईस्ट तैनाती स्थल पर वापस भेज दिया गया है। पूरे प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस ने बर्बरता का जो नाच किया है वह बेहद शर्मनाक ही नहीं बल्कि यह बताने के लिए भी काफी है कि हमारे देश की सरकारी एजेंटीयों को किस प्रकार से अपने लाभ के लिए प्रयोग करतीहैं। इन पुलिस कर्मियों का जमीर पूरी तरह से मर चुका है या फिर यह कह सकते हैं कि यह लोग पारिवारिक और इंसानियत मोह माया से परे हैं। जंतर–मंतर पर चल रहे आंदोलन के दौरान दिल्ली पुलिस की कार्रवाई को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। युवा लड़कियों को टारगेट कर उन पर डंडे से अभद्र कार्रवाई करना, पुरुष पुलिसकर्मी द्वारा थप्पड़ मारना यह शर्मनाक नहीं है तो और भला क्या है? ऐसी मानसिकता की पुलिस से क्या समाज की सुरक्षा की अपेक्षा की जा सकती है प्रदर्शनकारियों द्वारा पुलिस पर लाठीचार्ज, आंसू गैस के प्रयोग और कठोर व्यवहार के आरोप लगाए गए हैं, जबकि पुलिस का कहना है कि उसने कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए। लोकतंत्र में पुलिस की भूमिका कानून लागू करने की होती है, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण उसकी निष्पक्षता और संयम है। जब प्रदर्शनकारी अपने संवैधानिक अधिकारों का प्रयोग कर रहे हों, तब पुलिस की पहली जिम्मेदारी संवाद और शांति बनाए रखने की होनी चाहिए। बल प्रयोग हमेशा अंतिम विकल्प होना चाहिए, न कि पहली प्रतिक्रिया।

इतिहास बताता है कि आंदोलनों को दबाने की कोशिश अक्सर असंतोष को और गहरा करती है। यदि प्रदर्शनकारियों की शिकायतों का समाधान संवाद से नहीं किया जाता और उनकी आवाज़ को केवल सुरक्षा के दृष्टिकोण से देखा जाता है, तो लोकतंत्र में विश्वास कमजोर पड़ता है। जंतर–मंतर की घटनाओं ने यही चिंता पैदा की है कि क्या असहमति व्यक्त करने की लोकतांत्रिक जगहें सिकुड़ रही हैं। यदि कहीं हिंसा, पथराव या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने की कोशिश हुई हो तो पुलिस को कार्रवाई का अधिकार है, लेकिन यदि प्रदर्शन को लेकर कुछ पुलिसकर्मी अपनी यो विकृति का प्रदर्शन करने लगे या फिर अपने दिमागी संतुलन से ऊपर उठाते हुए लड़कियों को हुई थप्पड़ मारने लगे तो यह फिर कार्रवाई नहीं बल्कि नाराजगी कही जाएगी। जंतर–मंतर की घटना हमें यह याद दिलाती है कि लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं चलता, बल्कि नागरिकों के विरोध और असहमति के अधिकार से भी मजबूत होता है। सरकार, प्रशासन और पुलिस–तीनों की जिम्मेदारी है कि वे विरोध को दुश्मनी नहीं बल्कि लोकतांत्रिक संवाद का हिस्सा समझें। पुलिस पर तो वैसे आरोप लगाते रहे हैं लेकिन जंतर मंतर में पुलिस का यह काला चेहरा पूरे देश ने ही नहीं बल्कि विश्व ने भी देखा। कितना तय है कि युवा आंदोलन की यह आज अब शांत पढ़ने वाली नही है और निश्चित तौर पर इसका खामी आज सत्ता पक्ष को भी बड़े पैमाने पर उठाना पड़ेगा।

सड़क पर छात्र, बहरी सरकार और न्यायपालिका : फिर कैसा लोकतंत्र?

दिलीप कुमार पाठक

आज देश का युवा और छात्र वर्ग गहरे संकट में है। जब भी इतिहास में बड़े बदलाव हुए हैं, उनकी शुरूआत हमेशा कॉलेजों से ही हुई है। छात्र देश का भविष्य होते हैं, कोई अपराधी नहीं। लेकिन आज जब देश का छात्र अपनी पढ़ाई, परीक्षाओं में धांधली या रोजगार की मांग लेकर सड़कों पर उतरता है, तो उसके साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किया जाता है। एक तरफ सरकार उनकी जायज मांगों को सुनने से मना कर देती है, तो दूसरी तरफ उन पर पुलिस की लाठियां और आंसू गैस के गोले छोड़े जाते हैं। सरकार बातचीत के बजाय दमन का रास्ता चुन रही है। जब रक्षक ही भक्षक बन जाए, तो जनता आखिर कहां जाए? एक सच्चे लोकतंत्र की खूबी यह होती है कि वहां विरोध प्रदर्शनों का सम्मान किया जाता है। सरकार का कर्तव्य है कि वह प्रदर्शनकारी छात्रों को बुलाए, उनकी समस्याओं को समझे और मिलकर रास्ता निकाले। लेकिन मौजूदा समय में संवाद की जगह पूरी तरह खत्म हो चुकी है। सत्ता में बैठे लोग इतने अहंकारी हो चुके हैं कि उन्हें जनता की आवाज सिर्फ एक शोर लगती है। जब युवाओं से शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने का अधिकार भी छीन लिया जाए, तो लोकतंत्र का मूल ढांचा ही खतरे में पड़ जाता है। छात्रों पर झूठे मुकदमे दर्ज करना और उनके भविष्य को बर्बाद करना किसी भी लोकतांत्रिक देश की पहचान नहीं हो सकती। जब कार्यपालिका यानी सरकार पूरी तरह बहरी और अंधी हो जाती है, तो देश का आम नागरिक न्याय की आखिरी उम्मीद लेकर न्यायपालिका का दरवाजा खटखटाता है। भारत में सुप्रीम कोर्ट को संविधान का रक्षक और जनता का सबसे बड़ा कवच माना गया है। हर पीड़ित व्यक्ति को यह विश्वास होता है कि भले ही पूरी दुनिया उसका साथ छोड़ दे, लेकिन देश की सबसे बड़ी अदालत उसे न्याय जरूर देगी। लेकिन जब इसी अदालत से यह सुनने को मिले कि हमारे पास समय नहीं है या हम इस मामले की सुनवाई नहीं कर सकते और न ही वीडियो देख सकते हैं हमारा वक्त बर्बाद न करें, तो देश के युवाओं का भरोसा पूरी तरह टूट जाता है। यह सिर्फ एक अदालती टिप्पणी नहीं है, बल्कि यह उस करोड़ों युवाओं की उम्मीदों पर बहुत गहरी चोट है जो दिन-रात मेहनत करके देश को आगे बढ़ाना चाहते हैं। अगर देश के सर्वोच्च न्यायालय के पास युवाओं पर हो रहे अत्याचारों को देखने का समय नहीं होगा, तो फिर इस देश में न्याय की क्या परिभाषा रह जाएगी? अदालतें तकनीकी कारणों का हवाला देकर इतने गंभीर और संवेदनशील मामलों से पल्ला नहीं झाड़ सकतीं। जब सड़कों पर छात्रों का खून बह रहा हो और पुलिस बर्बरता के वीडियो सामने आ रहे हों, तब अदालत का यह कहना कि हमारे पास समय नहीं है, न्याय व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़ा करता है। अब सवाल यह उठता है कि अगर सरकारें दमन करेंगी और अदालतें व्यस्तता का बहाना बनाएंगी, तो फिर यह कैसा लोकतंत्र है? लोकतंत्र सिर्फ पांच साल में एक बार वोट देने का नाम नहीं है। लोकतंत्र एक जीवित व्यवस्था है, जो हर दिन नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने से चलती है। अगर नागरिकों को अपनी बात कहने का हक नहीं है, और न्याय मांगने पर उन्हें सिर्फ निराशा मिलती है, तो यह लोकतंत्र केवल कागजों पर ही जिंदा रहेगा। ऐसी स्थिति देश को तानाशाही की तरफ धकेलती है। इस गंभीर संकट से निकलने का रास्ता संवाद ही है। सरकार को अपना अहंकार छोड़कर प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ बैठकर उनकी समस्याओं का समाधान निकालना चाहिए। इसके साथ ही, देश की अदालतों को भी अपनी प्राथमिकताओं को दोबारा तय करना होगा। देश के युवाओं के मानवाधिकारों की रक्षा करना सबसे ज्यादा जरूरी है। जब तक सरकार लाठियां चलाना बंद नहीं करेगी और अदालतें अपनी आंखें नहीं खोलेंगी, तब तक लोकतंत्र की आत्मा तड़पती रहेगी। हमें हर हाल में इस भरोसे को बचाना होगा, क्योंकि भरोसे के बिना कोई भी देश मजबूत नहीं बन सकता।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सिक्किम हादसाः प्रकृति की चेतावनी या मानवीय लापरवाही?

सुनील कुमार महला

हाल ही में सिक्किम के समरडुंग, नामची जिले में एनएचपीसी की तीस्ता स्टेज-श्क जलविद्युत परियोजना के निमार्णाधीन टनल (एडीआइटी-3) में हादसा हो गया। मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार 20 जुलाई 2026 को निमार्णाधीन सुरंग के अंदर अचानक मीथेन गैस से जुड़ी घटना (संभावित विस्फोट/दहन) हुई और इसके बाद सुरंग के प्रवेश मार्ग के पास भूस्खलन हुआ, जिससे सुरंग का हिस्सा बंद हो गया और अंदर मौजूद कर्मचारी व अधिकारी फंस गए। बताया जा रहा है कि सुरंग में 40 से अधिक लोग मौजूद थे। इनमें से कुछ लोग समय रहते बाहर निकल आए, लेकिन लगभग 25झ27 लोग अंदर फंस गए। जानकारी अनुसार इनमें एनएचपीसी, ठेकेदार कंपनी और मजदूर शामिल थे।

ताजा उपलब्ध जानकारी के अनुसार(यह आलेख लिखे जाने तक) 20 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं तथा 2 लोग सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे तथा रिपोर्ट के समय तक 5 लोगों की तलाश जारी थी। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि सुरंग में प्राकृतिक रूप से जमा मीथेन गैस को निकालने के प्रयास के दौरान विस्फोट/दहन हुआ, जिससे भूस्खलन हुआ और सुरंग का प्रवेश मार्ग बंद हो गया। हालांकि, अंतिम कारण विस्तृत जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। राहत एवं बचाव कार्य में राज्य पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सेना, आईटीबीपी, दमकल तथा अन्य विशेषज्ञ एजेंसियों को लगाया गया। इधर, मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने भी घटनास्थल का दौरा कर स्थिति की समीक्षा की है। बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि भूस्खलन के कारण इस सुरंग के ढह जाने से कई लोगों की मौत हो जाने की घटना ने पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पहाड़ों की पारिस्थितिकी की अनदेखी कर विकास कितना नुकसानदेह हो सकता है, यह अब कोई छिपी बात नहीं है।

हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि हमारे देश में भूस्खलन (लैंडस्लाइड) एक गंभीर प्राकृतिक आपदा बनता जा रहा है। मानसून के दौरान हिमालयी और पश्चिमी घाट के राज्यों में इसकी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। हाल के दिनों में सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर भारत में भारी वर्षा के कारण कई बड़े भूस्खलन हुए हैं। वास्तव में,अत्यधिक वर्षा और बादल फटना, भारत के हिमालयी क्षेत्र का भूकंपीय दृष्टि से अत्यधिक सक्रिय होना, अनियोजित विकास (पेड़ों की अंधाधुंध कटाई,सड़क, सुरंग, जलविद्युत परियोजनाओं और भवन निर्माण के दौरान वैज्ञानिक मानकों की अनदेखी), विकास के नाम पर पहाड़ों का काटा जाना, जलवायु परिवर्तन (अत्यधिक और अल्प अवधि की वर्षा) भूस्खलन के प्रमुख कारणों में से एक हैं तथा जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल) तथा पश्चिमी घाट (केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्र) हमारे देश में सबसे अधिक भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में से एक हैं। गौरतलब है कि भारत का लगभग 12.6% भौगोलिक क्षेत्र भूस्खलन के खतरे वाले क्षेत्र में आता है तथा इस क्रम में इसरो (राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र) ने वर्ष 1998-2022 के दौरान भारत में लगभग 80,000 भूस्खलनों का डेटाबेस तैयार किया है। यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र ,इसरो का एक प्रमुख केंद्र है, जिसका मुख्यालय हैदराबाद, तेलंगाना में स्थित है।

बहरहाल, भूस्खलन का यह हमारे देश में पहला हादसा नहीं है। उत्तराखंड और तेलंगाना में भी ऐसे हादसे हो चुके हैं, लेकिन उनसे कोई सबक नहीं लिया गया। कहना गलत नहीं होगा कि हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा हमेशा बना रहता है। ऐसे में यदि सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन नहीं किया गया, तो यह गंभीर लापरवाही मानी जाएगी। सवाल यह भी उठता है कि बरसात के मौसम में सुरंग निर्माण का काम करते समय आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम पहले से क्यों नहीं किए गए? इस दुर्घटना में जिन श्रमिकों की जान गई, उसकी जिम्मेदारी आखिर किसकी है? क्या परियोजना से जुड़े अधिकारियों और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी? उक्त क्रम में, विशेषज्ञों का मानना है कि पहाड़ों में लगातार निर्माण कार्य(विकास) और पेड़ों की कटाई से जमीन कमजोर हो रही है। इसलिए बारिश के समय भूस्खलन का खतरा बढ़ जाता है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और सिक्किम में कई सुरंगें बन चुकी हैं और कई बन रही हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि निर्माण शुरू करने से पहले पर्यावरण और सुरक्षा से जुड़े जोखिमों का सही आकलन किया जाए। यदि सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन हो, तो कई बड़ी दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। विकास जरूरी है, लेकिन पर्यावरण का ध्यान रखते हुए।

अंत में यही कहूंगा कि विकास मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक है, लेकिन यदि यह प्रकृति की कीमत पर किया जाए तो इसके गंभीर दुष्परिणाम सामने आते हैं। अंधाधुंध निर्माण, वनों की कटाई और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन से पर्यावरण असंतुलित होता है, जिससे भूस्खलन, बाढ़, सूखा और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं बढ़ती हैं। इसलिए विकास और प्रकृति को एक-दूसरे का विरोधी नहीं, बल्कि पूरक मानते हुए ऐसी योजनाएं बनानी चाहिए जो पर्यावरण संरक्षण और मानवीय प्रगति दोनों को साथ लेकर चलें। यही सतत एवं संतुलित विकास का मार्ग है। यदि हम ऐसा कर सके तो कोई दोराय नहीं कि हम पहाड़, प्रकृति और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकें।

थर्मल इंजीनियरिंग का नया मंत्रः क्लीन एनर्जी, सुरक्षित भविष्य

योगेश कुमार गोयल

ऊष्मीय शक्ति संयंत्र या ताप विद्युत केन्द्र के नाम से भी जाने जाने वाले थर्मल पावर स्टेशन ऐसे विद्युत उत्पादन संयंत्र होते हैं, जिनमें प्रमुख टरबाइनें भाप से चलाई जाती हैं और यह भाप कोयला, गैस इत्यादि को जलाकर पानी को गर्म करके प्राप्त की जाती है। पानी गर्म करने के लिए ईंधन का प्रयोग किया जाता है, जिससे उच्च दाब पर भाप बनती है और बिजली पैदा करने के लिए इसी भाप से टरबाइनें चलाई जाती हैं। थर्मल पावर स्टेशनों में ऊष्मीय ऊर्जा को बिजली में परिवर्तित किया जाता है और इसके लिए भाप से चलने वाली टरबाइनों का इस्तेमाल किया जाता है।

कोयले नहीं, अब हरित ऊर्जा से रोशन हो भारत... थर्मल इंजीनियरिंग के महत्व और योगदान को मान्यता देने के लिए प्रतिवर्ष 24 जुलाई को 'राष्ट्रीय थर्मल इंजीनियर दिवस' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य थर्मल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाना और इसके महत्व को सार्वजनिक स्तर पर उजागर करना है। दरअसल थर्मल इंजीनियरिंग ऊर्जा उत्पादन, ऊर्जा प्रबंधन इत्यादि विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगी होती है। थर्मल इंजीनियरिंग उन अवस्थाओं के अध्ययन और उपयोग को समझने में सहायक होती है, जहां ऊष्मा, ऊर्जा और उसकी व्यवस्था का विशेष महत्व होता है। थर्मल इंजीनियरिंग मैकेनिकल इंजीनियरिंग का ही एक विशेष उप-विषय है, जो ऊष्मा ऊर्जा की गति और स्थानांतरण से संबंधित है। ऊर्जा को दो माध्यमों के बीच स्थानांतरित किया जा सकता है अथवा ऊर्जा के अन्य रूपों में परिवर्तित किया जा सकता है।

एक थर्मल इंजीनियर का कार्य यांत्रिक प्रणालियों का रखरखाव, निर्माण या मरम्मत करना है, जिसमें ऊर्जा के अन्य रूपों में ऊष्मा हस्तांतरण प्रक्रिया शामिल होती है। थर्मल इंजीनियर विश्लेषण करता है कि यांत्रिक ऊष्मा स्रोत विभिन्न भौतिक और औद्योगिक प्रणालियों के साथ कैसे इंटरैक्ट करते हैं। घरों तथा गाड़ियों में इस्तेमाल होने वाले एयरकंडीशनर तथा रेफ्रिजरेटरों में थर्मल इंजीनियरिंग का इस्तेमाल होता है। थर्मल इंजीनियरिंग के जरिये इंजीनियर ऊष्मा को अलग-अलग माध्यमों में उपयोग करने के अलावा ऊष्मीय ऊर्जा को दूसरी ऊर्जा में भी परिवर्तित कर सकते हैं। थर्मल इंजीनियरिंग वास्तव में बंद या खुले वातावरण में वस्तुओं को गर्म या ठंडा रखने की प्रक्रिया है और थर्मल इंजीनियर ऊष्मीय ऊर्जा को केमिकल, मैकेनिकल या विद्युतीय ऊर्जा में परिवर्तित करने के लिए विभिन्न प्रकार की मशीनें तैयार करते हैं, जिनके जरिये वे ऊष्मा को नियंत्रित करते हैं। हमारे घरों या दफ्तरों में इस्तेमाल होने वाली बिजली इसी ऊष्मीय ऊर्जा से बनती है और यह बिजली बनाने का काम करते हैं थर्मल पावर स्टेशन।

ऊष्मीय शक्ति संयंत्र या ताप विद्युत केन्द्र के नाम से भी जाने जाने वाले थर्मल पावर स्टेशन ऐसे विद्युत उत्पादन संयंत्र होते हैं, जिनमें प्रमुख टरबाइनें भाप से चलाई जाती हैं और यह भाप कोयला, गैस इत्यादि को जलाकर पानी को गर्म करके प्राप्त की जाती है। पानी गर्म करने के लिए ईंधन का प्रयोग किया जाता है, जिससे उच्च दाब पर भाप बनती है और बिजली पैदा करने के लिए इसी भाप से टरबाइनें चलाई जाती हैं। थर्मल पावर स्टेशनों में ऊष्मीय ऊर्जा को बिजली में परिवर्तित किया जाता है और इसके लिए भाप से चलने वाली टरबाइनों का इस्तेमाल किया जाता है। भाप बनाने के लिए पानी को उच्च तापमान पर गर्म किया जाता है, जिसके लिए कोयला, सोलर हीट, न्यूक्लियर हीट, कचरा तथा बायो ईंधन उपयोग किया जाता है।

दुनिया के कई देशों में अभी भी बिजली पैदा करने के लिए भाप से चलने वाली टरबाइनों का उपयोग किया जाता है किन्तु पर्यावरणीय खतरों को देखते हुए अब धीरे-धीरे बिजली पैदा करने के लिए सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा के अन्य स्त्रोतों को ही महत्व दिया जाने लगा है। भारत में इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में हजारों मेगावाट क्षमता की कुछ अत्याधुनिक मेगा सौर ऊर्जा परियोजनाएं शुरू भी की गई हैं। हजारों मेगावाट के कुछ सोलर प्लांट पहले से ही ऊर्जा उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान दे भी रहे हैं। दरअसल थर्मल पावर स्टेशनों में भाप पैदा करने के लिए कोयला जलाने से पर्यावरण को अपूरणीय क्षति पहुंचती है क्योंकि इस प्रक्रिया में निकलने वाली हानिकारक गैसें हवा में मिलकर पर्यावरण को बुरी तरह प्रदूषित करती हैं, साथ ही कोयला या अपशिष्ट जलाने के बाद बचने वाले अवशेषों के निबटारे की भी बड़ी चुनौती मौजूद रहती है।

हालांकि भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए कोयले के अलावा ऊर्जा के अन्य स्त्रोतों का भी इस्तेमाल किया जाता है किन्तु अधिकांश बिजली कोयले के इस्तेमाल से ही पैदा होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार कोयले को जलाया जाना और इससे होने वाली गर्मी, पारे के प्रदूषण का मुख्य कारण है। विश्वभर में करीब चालीस फीसदी बिजली कोयले से प्राप्त होती है जबकि भारत में करीब साठ फीसदी बिजली कोयले से, सोलह फीसदी अक्षय ऊर्जा के विभिन्न स्त्रोतों जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा तथा बायो गैस से, चौदह फीसदी पानी से, आठ फीसदी गैस से, 1.8 फीसदी न्यूक्लियर ऊर्जा से तथा 0.3 फीसदी डीजल से पैदा होती है। वैसे बिजली पैदा करने के लिए भले ही ऊर्जा के किसी भी स्त्रोत का इस्तेमाल किया जाए, प्रत्येक थर्मल पावर प्लांट में इसके लिए बॉयलर का इस्तेमाल होता है, जिसमें ईंधन को जलाकर ऊष्मीय ऊर्जा पैदा की जाती है, जिससे पानी को गर्म कर भाप बनाई जाती है, जो टरबाइनों को चलाने में इस्तेमाल होती है।

वायु प्रदूषण आज दुनियाभर में एक बड़े स्वास्थ्य संकट के रूप में उभर रहा है और इस समस्या के लिए थर्मल पावर प्लांटों से निकलने वाला उत्सर्जन भी एक बड़ा कारण है। इस समस्या से निपटने के लिए एक दशक से भी अधिक समय से उत्सर्जन मानकों को पूरा करने और नए कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को रोककर अक्षय ऊर्जा की तरफ कदम बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट भी इन उत्सर्जन मानकों को पूरा करने के लिए समय सीमा निर्धारित करता रहा है किन्तु थर्मल पावर प्लांट के लिए उत्सर्जन मानकों को लागू करने का मामला वर्षों से अधर में लटका है। पर्यावरण पर कार्यरत कुछ संस्थाओं द्वारा निरंतर मांग की जा रही है कि पर्यावरण मंत्रालय उत्सर्जन मानकों का पालन कराते हुए थर्मल पावर प्लांटों को प्रदूषण के लिए उत्तरदायी बनाए और अक्षय ऊर्जा के लक्ष्य को हासिल करने के लिए नए थर्मल पावर प्लांटों का निर्माण रोका जाए।

माना जा रहा है कि उत्सर्जन मानकों का पालन करने में देरी के चलते सालभर में 70 हजार से ज्यादा मौतें समय पूर्व हो रही हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्यरत संस्था ग्रीनपीस के अनुसार यदि उत्सर्जन मानकों को समय से लागू किया जाता तो सल्फर डाईऑक्साइड में 48 फीसदी, नाइट्रोडन डाई ऑक्साइड में 48 फीसदी और पीएम उत्सर्जन में 40 फीसदी तक की कमी की जा सकती थी, जिससे समय पूर्व हो रही इन मौतों से बचा जा सकता था। थर्मल पावर प्लांटों में बिजली बनाए जाने के लिए कोयला जलाने के दौरान उससे बनी राख का 10 फीसदी से भी अधिक हिस्सा चिमनियों के जरिये धुएं के साथ ही वातावरण में घुल जाता है, जो गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं का कारण बनता है। बहरहाल, आज जिस प्रकार दुनियाभर में पर्यावरणीय खतरों के मद्देनजर थर्मल पावर प्लांटों में कोयले के इस्तेमाल पर रोक लगाते हुए सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्त्रोतों का उपयोग किया जा रहा है, ऐसे में भारत को भी कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट के बजाय क्लीन और ग्रीन एनर्जी को प्रोत्साहन देना चाहिए। समय के साथ अब जरूरत इसी बात की है कि हम अक्षय ऊर्जा की ओर तेजी से कदम बढ़ाएं और बिजली बनाने के लिए चरणबद्ध तरीके से ऊर्जा के इन्हीं सुरक्षित स्त्रोतों के इस्तेमाल को बढ़ावा दें।

संक्षिप्त समाचार

यूएन की रिपोर्ट में दावा- 2025 में एशिया प्रशांत में 114 अरब यूएसडी का साइबर अपराध; 80+ देशों में असर

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में साइबर गिरोहों ने एशिया प्रशांत के लोगों को 114.1 अरब डॉलर तक का चूना लगाया, जो इस क्षेत्र के कई देशों की जीडीपी से भी अधिक है। संयुक्त राष्ट्र ड्रग्स और अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि चीनी मूल के इन गिरोहों का नेटवर्क म्यांमार और लाओस से पूर्वी तिमोर, प्रशांत द्वीप समूह और अफ्रीका तक फैल गया है। दावा है कि इनके केंद्रों में 80 से अधिक देशों के लोगों को नौकरी का झांसा देकर जबरन ठगी करवाई जाती है। ये गिरोह कॉरपोरेट फ्रेंचाइजी की तरह काम कर रहे हैं, जो मनी लॉन्ड्रिंग और डाटा चोरी जैसी गतिविधियों को धड़ल्ले से अंजाम दे रहे हैं।

बांग्लादेश अगले साल कर सकता है बिम्सटेक शिखर सम्मेलन की मेजबानी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश 2027 में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर सकता है। बिम्सटेक के महासचिव इंद्र मणि पांडे ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संगठन की 30वीं वर्षगांठ का वर्ष 2027 बांग्लादेश की अध्यक्षता का पूरा और अंतिम वर्ष भी होगा। पांडे ने कहा कि बिम्सटेक के तहत सभी इस तरह की पहल सदस्य देशों की आपसी सहमति से की जाती हैं। हमारे विशेषज्ञों, वरिष्ठ अधिकारियों और मंत्रियों की बैठकों में सहयोग के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की नियमित समीक्षा की जाती है, जिससे नए क्षेत्रों को जोड़ा जाता है। गौरतलब है कि बिम्सटेक में सात सदस्य देश हैं। इनमें बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड शामिल हैं।

सोने की तस्करी मामले में भारतीय मूल के मलेशियाई नागरिक को सिंगापुर में जेल की सजा

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर की एक अदालत ने मंगलवार को भारतीय मूल के 39 वर्षीय मलेशियाई नागरिक तुराह राजू सुब्रमण्यम को 38 महीने की सजा सुनाई। उस पर एक ठगी पीड़िता से 4.12 लाख सिंगापुर डॉलर मूल्य के 1,600 सोने के बिस्कुट प्राप्त कर मलेशिया तस्करी करने का आरोप है। सुब्रमण्यम ने टेलीग्राम ग्रुप के जरिये काम पाया था। उसने सरकारी अधिकारी बनकर ठगी करने वालों के झांसे में आई 54 वर्षीय महिला से ये बिस्कुट हासिल किए थे। इसके बाद वह मलेशिया लौट गया। कुछ दिनों बाद सिंगापुर में फिर दाखिल होने पर उसे गिरफ्तार किया गया।

पश्चिम अफ्रीका में नौका पलटने के हादसों में 150 से अधिक की मौत या लापता

नौआकत, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी ने मंगलवार को पश्चिम अफ्रीका के तट पर हुई दो अलग-अलग घटनाओं में लगभग 150 प्रवासियों के मारे जाने या लापता होने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। ये लोग पिछले सप्ताह यूरोप पहुंचने के प्रयास में नावों पर सवार होकर यात्रा कर रहे थे। एजेंसी के अनुसार, 14 से 18 जुलाई के बीच हुई इन घटनाओं में 144 लोग या तो मृत पाए गए या लापता हो गए, जबकि 387 लोगों को बचाया गया। मॉरितानिया के तटरक्षक बल ने बताया कि राजधानी नौआकत के पास तट से 122 लोग लापता हुए। एक नाव, जिसमें गाम्बिया से 160 लोग कैनरी द्वीप की ओर जा रहे थे, ईंधन खत्म होने के कारण 25 दिनों तक समुद्र में फंसी रही। एक अन्य घटना में, तटरक्षक बल ने सेनेगल से एक नाव पर सवार 179 लोगों को बचाया। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि दोनों घटनाओं के आंकड़ों में अंतर क्यों है। मॉरितानिया के जलक्षेत्र उप-सहारा अफ्रीका के उन लोगों के लिए यूरोप में बेहतर जीवन की तलाश का एक प्रमुख मार्ग बन गया है, जहां आर्थिक अवसर सीमित हैं। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने चेतावनी दी है कि कैनरी द्वीप की ओर जाने वाला मार्ग 'दुनिया के सबसे घातक' मार्गों में से एक है।

पाकिस्तान में पेट्रोल 4.93 और डीजल 7.15 रुपया महंगा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी सरकार ने पेट्रोल के दाम में 4.93 रुपया प्रति लीटर और हाई-स्पीड डीजल (।रुद्ध) में 7.15 रुपया प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। नई दरें 22 जुलाई से लागू हो गई हैं। दामों में इस बदलाव के बाद अब बाजार में पेट्रोल की नई कीमत 320.73 रुपया लीटर और हाई-स्पीड डीजल की कीमत 367.21 रुपया प्रति लीटर हो गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमतों में आ रहे तेज उतार-चढ़ाव को देखते हुए सरकार ने बड़ा नीतिगत बदलाव किया है। पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने घोषणा की है कि अब देश में फ्यूल रेट्स हफ्ते के बजाय रोजाना आधार पर तय किए जाएंगे। सरकार के रोजाना रेट तय करने के फैसले का ऑल पाकिस्तान डीलर्स एसोसिएशन ने कड़ा विरोध किया है।

पीओके में प्रदर्शनकारियों की मौत पर बढ़ा तनाव, जेएएसी ने बड़े आंदोलन का किया ऐलान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) ने मंगलवार को कहा कि स्वैच्छिक बंद और चक्का जाम हड़ताल जारी है। संगठन ने 23 जुलाई को बेहद महत्वपूर्ण दिन बताते हुए लोगों से बड़ी संख्या में विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने की अपील की है। जेएएसी ने लोगों से अपनी मांगों के कार्यान्वयन की मांग को लेकर पूरी ताकत के साथ प्रदर्शन में शामिल होने और आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों के लिए प्रार्थना करने का आह्वान किया। संगठन ने अधिकारियों की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोग उन लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार हैं, जिन्हें अपने अधिकारों की मांग करने पर मारा गया।

कश्मीर के लोगों की दृढ़ता को सलाम : जेएएसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि 45 दिनों से जारी उत्पीड़न और क्रूरता, बड़े पैमाने पर हत्याओं और शासकों द्वारा बुनियादी मानवाधिकारों के उल्लंघन के बावजूद हम कश्मीर के लोगों की दृढ़ता को सलाम करते हैं। शासक उन लोगों के हत्यारे हैं, जिन्हें अपने अधिकारों की मांग करने के बदले में मार दिया गया। दर्जनों लोगों की हत्या की गई, लेकिन शासकों के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही। इसका कारण उनकी सत्ता की लालसा है। हम अपने शहीदों के खून से कोई समझौता किए बिना शांतिपूर्ण संघर्ष जारी रखेंगे। हम लोगों से अपील करते हैं कि वे इन

चालाक और धोखेबाज शासकों के झूठे वादों में न आएं।

मुजफ्फराबाद-मीरपुर के लोगों से खास अपील : जेएएसी ने मुजफ्फराबाद और मीरपुर डिवीजन के लोगों से प्रदर्शन में शामिल होने की अपील करते हुए एक्स पर लिखा कि मुजफ्फराबाद और मीरपुर डिवीजन के लोग 23 जुलाई को पूरी ताकत के साथ विरोध प्रदर्शन करें। 23 जुलाई को लोकतांत्रिक प्रक्रिया को नुकसान पहुंचाने और बंदूक की नोक पर फर्जी चुनावों के जरिए धोखेबाज, चालाक और पाखंडी लोगों को जनता पर थोपने के संबंध में एक महत्वपूर्ण घोषणा की जाएगी। एक अन्य पोस्ट में जेएएसी ने बताया कि रावलकोट निवासी जिब्रान मुश्ताक फराम तारार, जिनका इस्लामाबाद में इलाज चल रहा था, उनकी मौत हो गई। संगठन के अनुसार, सुरक्षा बलों की गोली लगने से उसकी मौत हुई।

पिछले सप्ताह स्थगित की थी यात्रा : इससे पहले पिछले सप्ताह पीओके में जारी अशांति में 30 से अधिक लोगों की मौत के बाद जेएएसी ने अपनी प्रस्तावित लंबी मार्च यात्रा को 21 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया था। संगठन ने पाकिस्तान सरकार को अपनी मांगों को पूरा करने के लिए अंतिम अवसर दिया था। 14 जुलाई की समय सीमा खत्म होने के बाद जेएएसी ने मुजफ्फराबाद की ओर मार्च के लिए हजारों समर्थकों को जुटाया था। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हुए थे। पूरे क्षेत्र से आए काफिले रावलाकोट और अन्य प्रदर्शन स्थलों पर पहुंचे थे। हालांकि, पाकिस्तान सरकार के अधिकारियों के साथ बातचीत के बाद मार्च को स्थगित कर दिया गया। संगठन ने चेतावनी दी थी कि यदि ठोस कदम नहीं उठाए गए तो मुजफ्फराबाद की ओर लंबा मार्च दोबारा शुरू किया जाएगा। वहीं, पीओके के विभिन्न हिस्सों में धरना प्रदर्शन जारी रहेंगे।

यूएन ने जताई चिंता : 17 जुलाई को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय ने पीओके में बढ़ती अशांति के बीच अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण सभा और संगठन बनाने के अधिकारों के उल्लंघन पर गंभीर चिंता जताई। हालिया हिंसा में दर्जनों लोगों की मौत और कई अन्य के घायल होने की खबर है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त के प्रवक्ता जेरेमी लॉरेंस ने बयान में कहा कि किसी नागरिक समाज संगठन को अपराधी घोषित करना और सार्वजनिक सभाओं पर कड़े प्रतिबंध लगाना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण सभा और संगठन बनाने के अधिकारों के उल्लंघन को लेकर गंभीर चिंता पैदा करता है। हिरासत में लिए गए जेएएसी नेताओं को कानूनी सहायता और अपने परिवारों से संपर्क का अधिकार मिलना चाहिए। साथ ही, उनके उचित कानूनी प्रक्रिया और निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार की पूरी तरह रक्षा की जानी चाहिए। विरोध पर पाकिस्तानी अधिकारियों की प्रतिक्रिया पर गहरी चिंता जताते हुए, यूएन मानवाधिकार ऑफिस ने कहा कि जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) विरोध के पीछे का एक मूवमेंट है। इसमें ट्रेडर्स, ट्रांसपोर्टर्स, स्टूडेंट्स, वकील, एक्टिविस्ट्स और दूसरे लोग शामिल हैं। इन पर पब्लिक ऑर्डर और सुरक्षा को खतरा पहुंचाने का आरोप है और इन्हें एंटी-टेररिज्म कानूनों के तहत प्रतिबंधित कर दिया गया। ग्रुप के कुछ नेताओं को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया है।

अमेरिका ने 11वीं रात ईरान पर किये हमले, सैन्य ठिकानों, ड्रोन स्टोरेज फैसिलिटी को बनाया निशाना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने मंगलवार (लोकल टाइम) को कहा कि उसने ईरान के खिलाफ लगातार 11वीं रात हमले पूरे कर लिए हैं. इसमें मिलिट्री ऑपरेशन सेंटर, समुद्री क्षमताएं, एयरक्राफ्ट हैंगर, ड्रोन स्टोरेज फैसिलिटी और मिलिट्री लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर को टारगेट किया गया. एक बयान में सेंटकॉम ने कहा कि ऑपरेशन 21 जुलाई को रात 8:15 बजे पर खत्म हुआ और इसका मकसद होर्मुज स्ट्रेट में व्यावसायिक जहाजों को खतरा पहुंचाने की ईरान की काबिलियत को और कम करना था. बयान में कहा गया, '21 जुलाई को रात 8:15 बजे अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरान के खिलाफ लगातार 11वीं शाम को हमले सफलतापूर्वक पूरे किए.' इसमें आगे कहा गया कि सेंटकॉम के एसेट्स ने ईरानी मिलिट्री ऑपरेशन सेंटर्स, समुद्री क्षमताओं, एयरक्राफ्ट हैंगर, ड्रोन स्टोरेज फैसिलिटीज और मिलिट्री लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर को टारगेट किया ताकि होर्मुज स्ट्रेट में कमर्शियल शिपिंग को खतरा पहुंचाने की ईरान की काबिलियत को और कम किया जा सके. सेंटकॉम के मुताबिक ईरान ने पिछले तीन महीनों में महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरने वाले 30 से ज़्यादा कमर्शियल जहाजों पर हमला किया है. इन हमलों को गैर-जरूरी बताया और कहा कि इनसे सैकड़ों आम नाविकों को खतरा हुआ और नेविगेशन की आजादी कमजोर हुई. सेंटकॉम ने कहा, 'ईरानी हमले के बावजूद होर्मुज स्ट्रेट कमर्शियल जहाज़ों के आने-जाने के लिए खुला है.' साथ ही, यह भी कहा कि मई की शुरुआत से अमेरिकी सेना ने लगभग 900 कमर्शियल जहाज़ों को इस जरूरी समुद्री रास्ते से लगभग 450 मिलियन बैरल कच्चा तेल ले जाने में मदद की है. इससे पहले सेंटकॉम ने एक्स पर एक पोस्ट में हमलों के नए दौर की शुरुआत का ऐलान किया।

अमेरिका अगस्त 2028 से जेनेरिक दवाओं के इंपोर्ट पर भारी टैरिफ लगाएगा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को अगस्त 2028 से इम्पोर्टेड जेनेरिक दवाओं पर भारी टैरिफ लगाने का ऐलान किया. उन्होंने कहा कि इस कदम का मकसद ऐसे फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट्स की मैन्युफैक्चरिंग को अपने देश में लाना है. इस कदम का असर भारत पर पड़ सकता है, जो अमेरिका को जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा एक्सपोर्टर है.

ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि 1 अगस्त से अमेरिका देश में लाई जाने वाली सभी जेनेरिक दवाओं पर दो साल तक जीरो परसेंट टैरिफ जारी रखेगा, जिसके बाद इसे एक साल के लिए 100 परसेंट और उसके बाद 200 परसेंट कर दिया जाएगा।

ट्रंप ने कहा, '1 अगस्त, 2026 से अमेरिका में लाई जाने वाली सभी जेनेरिक दवाओं पर दो साल तक जीरो परसेंट टैरिफ जारी रहेगा, जिसके बाद टैरिफ को एक साल के लिए 100 परसेंट और उसके बाद 200 परसेंट कर दिया जाएगा.' ट्रंप ने कहा, 'यह अमेरिका में जेनेरिक फार्मास्यूटिकल प्रोडक्शन को फिर से शुरू करने के लिए किया गया है, जिसमें उन कंपनियों पर पेनल्टी लगाई जाएगी जो उन्हें दिए गए समय के अंदर प्लांट और इक्विपमेंट नहीं बनाने का फैसला करती हैं।

प्रेसिडेंट ने कहा कि इस पॉलिसी का मकसद यूनाइटेड स्टेट्स के लोगों की सुरक्षा करना है. उन्होंने कहा, 'पेटेंटेड, ब्रांडेड या इनोवेटिव दवाओं पर पॉलिसी, जो इतनी सफल रही है, वैसी ही रहेगी.' इंडिया को अक्सर 'दुनिया की फार्मेसी' कहा जाता है क्योंकि यह दुनिया भर के देशों को जेनेरिक दवाएं सप्लाई करता है.

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में इंडिया ने अमेरिका को 9.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर की फार्मास्यूटिकल्स एक्सपोर्ट की जो उसके कुल ग्लोबल फार्मा एक्सपोर्ट 25.8 बिलियन डॉलर का 38 परसेंट है. इंडियन जेनेरिक दवाएं हाइपरटेंशन, डायबिटीज, कैंसर, इंफेक्शियस बीमारियों और मेंटल हेल्थ के लिए बड़े पैमाने पर लिखी जाती हैं।

ट्रंप का बड़ा दावा, ऐतिहासिक अब्राहम अकॉर्ड्स में जल्द शामिल हो सकता है लेबनान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को एक बहुत ही बड़ा और ऐतिहासिक बयान दिया है। उन्होंने व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए संकेत दिया कि लेबनान भविष्य में अब्राहम अकॉर्ड्स का हिस्सा बन सकता है। उनका प्रशासन अमेरिका की मदद से बने इन शांति समझौतों का विस्तार करना चाहता है। ट्रंप के इस अहम बयान से मध्य पूर्व में दशकों से चले आ रहे भारी तनाव के पूरी तरह से खत्म होने की उम्मीद जगी है।

व्हाइट हाउस में लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन के साथ एक बेहद अहम और खास मुलाकात के दौरान ट्रंप ने यह बात कही। लेबनान और इजरायल के बीच कई दशकों से चल रहे गंभीर तनाव के बावजूद यह एक बहुत बड़ा और सकारात्मक कदम माना जा रहा है। जब ट्रंप से लेबनान के उन सख्त कानूनों के बारे में पूछा गया जो इजरायल से संपर्क रोकते हैं, तो उन्होंने कहा कि वे इसे उठाएंगे। उन्होंने आउन के साथ इस गंभीर मुद्दे पर भी बहुत ही गहराई से चर्चा करने का पूरा आश्वासन दिया है।

शांति समझौते की बड़ी सफलता : डोनाल्ड ट्रंप ने इस मौके पर स्पष्ट रूप से कहा कि अब्राहम अकॉर्ड्स उनके विचार से एक बहुत बड़ी और ऐतिहासिक सफलता रही है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि जल्द ही दुनिया के कई और देश भी इस अहम शांति समझौते में स्वेच्छा से शामिल होते हुए नजर आएंगे। हाल के सभी क्षेत्रीय संघर्षों के बावजूद ये सभी शांति समझौते पूरी तरह से मजबूत बने रहे हैं और बिल्कुल भी नहीं टूटे हैं। ट्रंप ने कहा कि इस भारी संघर्ष के समय में भी कोई देश इससे बाहर नहीं हुआ, जो एक बहुत बड़ी बात है। लेबनान की महत्वपूर्ण भूमिका राष्ट्रपति ट्रंप ने जोर देकर कहा कि मध्य पूर्व की शांति में लेबनान की एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका आसानी से हो सकती है। वहीं, लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने सीधे तौर पर अब्राहम अकॉर्ड्स का कोई भी सीधा जिक्र अपनी बातचीत में बिल्कुल नहीं किया। लेकिन उन्होंने इजरायल के साथ हाल में हुए इस अहम समझौते के नए ढांचे पर अपनी सकारात्मक बात जरूर रखी। आउन ने कहा कि इसका अंतिम लक्ष्य लेबनान और इजरायल के बीच की पुरानी दुश्मनी को हमेशा के लिए खत्म करना है।

राष्ट्रपति आउन ने इस शांति प्रयास को एक बहुत ही ऐतिहासिक उपलब्धि बताया और दोनों नेताओं की सोच को एक जैसा बताया। उन्होंने कहा कि लेबनान और पूरे क्षेत्र में शांति और स्थिरता लाने के लिए दोनों देश अब एक ही दिशा में सोच रहे हैं। आउन ने स्पष्ट किया कि अब वह सही समय पूरी तरह आ गया है कि लेबनान और पूरा क्षेत्र स्थिर और सुरक्षित बने। दोनों देशों के आपसी सहयोग से इस पूरे क्षेत्र में विकास के नए रास्ते और बड़े अवसर बहुत ही तेजी से खुलेंगे।

ट्रंप ने यह भी उम्मीद जताई कि अमेरिका और लेबनान के बीच संबंध सिर्फ सुरक्षा तक ही बिल्कुल सीमित नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार और अन्य कई अहम क्षेत्रों में भी रिश्ते काफी ज्यादा बढ़ेंगे और बहुत मजबूत होंगे। जब ट्रंप से दोनों देशों के बीच सीधी व्यावसायिक उड़ानों को फिर से शुरू करने के बारे में एक अहम सवाल पूछा गया। तो इसके जवाब में अमेरिकी राष्ट्रपति ने पूरे विश्वास के साथ कहा कि वह इसे पूरी तरह से संभव और बहुत आसान मानते हैं। दक्षिणी लेबनान में इजरायली सैनिकों की गतिविधियों के बारे में पूछे जाने पर भी राष्ट्रपति ट्रंप ने बहुत ही अहम जानकारी दी।

ईरान ने कुवैत के वाटर प्लांट्स पर किया बड़ा हमला, 90% आबादी के सामने जल संकट

तेहरान, एजेंसी। मिडिल-ईस्ट में इस समय हालात काफी ज्यादा खराब और तनावपूर्ण बने हुए हैं। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे भयंकर युद्ध का असर अब खाड़ी क्षेत्र पर पड़ रहा है। अमेरिकी हमले के जवाब में अब ईरान लगातार अमेरिका के सहयोगी देशों को अपना निशाना बना रहा है। मंगलवार को कुवैत ने आरोप लगाया कि ईरान ने उसके पॉवर प्लांट पर बहुत बड़ा हमला किया है। कुवैत के बिजली और जल मंत्रालय ने बताया कि ईरान ने लगातार चौथे दिन उनके प्लांट पर यह हमला किया है। इन हमलों के कारण वहां कई जगह भयंकर आग लग गई है और प्लांट्स को भारी नुकसान पहुंचा है। कुवैत का कहना है कि समुद्री पानी को पीने योग्य बनाने वाले ये डिसेलिनेशन प्लांट बहुत अहम हैं। मंत्रालय ने कहा कि प्रभावित संयंत्रों की मरम्मत का काम तेजी से शुरू कर दिया गया है।

90 प्रतिशत आबादी पर जल संकट : कुवैत में पीने के पानी की आपूर्ति का एक बहुत बड़ा हिस्सा समुद्री पानी को साफ करके ही पूरी तरह तैयार किया जाता है। देश की करीब 90 प्रतिशत आबादी की पेयजल की मुख्य जरूरत इन्हीं बड़े डिसैलिनेशन प्लांट्स से ही पूरी होती है। इसलिए ईरान द्वारा इन अहम प्लांट पर हुए मिसाइल हमलों को कुवैत सरकार द्वारा बेहद ही गंभीर माना जा रहा है।

खाड़ी देशों पर ईरान का कहर : अमेरिका लगातार ईरान पर बड़े हमले करके उसकी सैन्य क्षमता को कमजोर करने और भारी नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश कर रहा है। यू.एस. सेंट्रल कमांड की तरफ से ईरान पर किए गए नए सैन्य हमले की भी पूरी विस्तृत जानकारी दी गई है। इसके बाद से ही दोनों देशों के बीच टकराव बहुत ज्यादा बढ़ गया है और युद्ध की स्थिति गंभीर हो गई है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल की चेतावनी : अमेरिकी हमलों से पूरी तरह बौखलाया ईरान अब अमेरिका के करीबी माने जाने वाले सभी खाड़ी देशों को निशाना बना रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक पुरानी विस्तृत रिपोर्ट में भी यह बहुत बड़ा दावा किया गया था कि ईरान ऐसा कर सकता है। इस अहम रिपोर्ट के सामने आने के बाद पूरे क्षेत्र में एक बड़ा हाई अलर्ट बहुत पहले ही जारी कर दिया गया था। कुवैत ने अब अपने सभी महत्वपूर्ण ठिकानों की सुरक्षा को बहुत ही ज्यादा कड़ा कर दिया है। कुवैत की महत्वपूर्ण सुविधाओं पर ईरान का यह सीधा हमला पूरे मिडिल-ईस्ट की सुरक्षा व्यवस्था के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। इन हमलों से न केवल कुवैत की बुनियादी ढांचागत सुविधाएं चरमरा गई हैं, बल्कि क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था पर भी बहुत बुरा असर पड़ेगा। इस भारी तनाव के कारण खाड़ी देशों में आगे चलकर बहुत बड़ा ऊर्जा और जल संकट पैदा होने की पूरी आशंका उत्पन्न हो गई है। वैश्विक समुदाय इस युद्ध को रोकने की कोशिश कर रहा है।

जेलेंस्की का बड़ा फैसला: सिरस्की की छुट्टी, द्रपाती बने नए सेना प्रमुख

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की राजनीति में अचानक बहुत बड़ा उलटफेर हो गया है। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने एक बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने यूक्रेन के सेना प्रमुख जनरल ओलेक्जेंडर सिरस्की को पद से हटा दिया है। यह फैसला मंगलवार को लिया गया। पूरे देश में सिरस्की के खिलाफ भारी प्रदर्शन हो रहे थे। राजधानी कीव और कई अन्य शहरों में लोग सड़कों पर उतर आए थे। लोग सिरस्की को हटाने की मांग कर रहे थे। जेलेंस्की ने मिखाइलो द्रपाती को नया सेना प्रमुख बनाया है। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी करके दी। जेलेंस्की ने कहा कि सभी की एक ही इच्छा है। वह इच्छा दुश्मन पर जीत हासिल करना है। सीमा पर ऐसे हालात बनाना है कि रूस शांति के लिए मजबूर हो जाए। उन्होंने आगे कहा कि देश ने एक बड़ा रास्ता तय किया है। यूक्रेन की रक्षा का काम लगातार जारी है। देश का हर योद्धा सम्मानजनक व्यवहार का हकदार है।

क्या जन-प्रदर्शन के आगे झुके राष्ट्रपति जेलेंस्की : यह दूसरी बार है जब जेलेंस्की को जनता के दबाव में फैसला बदलना पड़ा है। इससे पहले बीते साल की गर्मियों में भी प्रदर्शन हुए थे। तब जनता ने भ्रष्टाचार विरोधी संस्थाओं को कमजोर करने वाले कानून का विरोध किया था। जेलेंस्की को वह कानून वापस लेना पड़ा था।

यह ताजा विवाद पिछले हफ्ते गुरुवार को शुरू हुआ था। जेलेंस्की ने अपनी सरकार में बड़ा फेरबदल किया था। उन्होंने अपने प्रधानमंत्री को बदल दिया था। साथ ही रक्षा मंत्री मिखाइलो फेडोरोव को भी बर्खास्त कर दिया था। फेडोरोव सिर्फ छह महीने से पद पर थे।

जेलेंस्की ने कहा था कि फेडोरोव और सिरस्की के बीच भारी मतभेद थे। दोनों आपस में विवाद नहीं सुलझा पा रहे थे। इसलिए उन्हें खुद यह कदम उठाना पड़ा।

क्या विवाद और सड़कों पर क्यों उतरी जनता : पद से हटने के बाद फेडोरोव ने सिरस्की पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सिरस्की सैन्य सुधारों को रोक रहे थे। वह पुराने ढर्रे की कमान चला रहे थे। इस बयान के बाद सैनिकों और आम जनता का गुस्सा फूट पड़ा। हजारों लोग कीव की सड़कों पर निकल आए। लोगों को लगा कि जेलेंस्की एक सुधारक के बजाय पुराने ढर्रे के जनरल का साथ दे रहे हैं। इसका असर सेना के भीतर भी देखा गया। वायु सेना के उप कमांडर ने विरोध में अपना इस्तीफा दे दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि इससे यूक्रेन की हवाई सुरक्षा कमजोर होगी। छुट्टियों पर घर आए सैनिकों और पूर्व सैनिकों ने भी प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। कई सैनिक अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर सिरस्की का खुलकर विरोध किया। प्रदर्शनकारी मांग कर रहे थे कि पूर्व रक्षा मंत्री मिखाइलो फेडोरोव को वापस लाया जाए। लोग उन्हें सेना के आधुनिकीकरण का चेहरा मानते थे। वहीं सिरस्की को सोवियत दौर की पुरानी सोच वाला कमांडर माना जाता था।

ईरान-अमेरिका तनाव के बीच पाकिस्तान ने शुरू की सौदेबाजी ! अमेरिका से मांगे 10 अरब डॉलर

इस्लामाबाद, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे भयंकर युद्ध के दौरान कूटनीतिक मध्यस्थता करने के बाद अब पाकिस्तान इसका पूरा आर्थिक फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान ने अपनी खस्ताहाल अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए अमेरिका से 10 अरब डॉलर की स्पेशल एक्सचेंज स्टेबिलाइजेशन सपोर्ट फैसिलिटी की एक बहुत बड़ी मांग की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान सरकार ने इस संबंध में अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट से औपचारिक रूप से यह भारी आर्थिक मदद मांगी है। इस बड़ी धनराशि के जरिए पाकिस्तान अपनी गिरती अर्थव्यवस्था को तुरंत संभालना चाहता है। पाकिस्तान चाहता है कि पांच साल की लंबी अवधि के लिए यह भारी भरकम आर्थिक सुविधा उसे जल्द से जल्द पूरी तरह से दी जाए। इस बड़े कदम से पाकिस्तान को अपने खाली पड़े विदेशी मुद्रा भंडार को फिर से मजबूत करने और पाकिस्तानी रुपये पर भारी दबाव कम करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा इस बड़ी आर्थिक सहायता के मिलने से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ पर उसकी पुरानी निर्भरता भी काफी हद तक घट सकेगी। यह भारी फंड मिलने से पाकिस्तान को अपने देश में चल रहे भीषण आर्थिक संकट को दूर करने में एक बहुत बड़ी और अहम राहत मिलेगी।

आईएमएफ के कर्जे का दबाव : फिलहाल पाकिस्तान 7 अरब डॉलर के आईएमएफ कार्यक्रम के तहत अपने देश में बहुत ही सख्त आर्थिक सुधार तेजी से लागू कर रहा है। इसके चलते देश में टैक्स बहुत बढ़ाए गए हैं, सरकारी खर्चों में भारी

कटौती की गई है और कई मुश्किल आर्थिक फैसले लिए गए हैं। ऐसे समय में अमेरिका की यह 10 अरब डॉलर की मदद पाकिस्तान की डूबती अर्थव्यवस्था के लिए एक बहुत बड़ी और अहम राहत साबित हो सकती है। पाकिस्तान सरकार को अपने देश को डिफॉल्ट होने से बचाने के लिए इस समय विदेशी फंड की बहुत ही ज्यादा और सख्त जरूरत आन पड़ी है।

पुराना कर्ज और विदेशी मदद : आपको बता दें कि भारी आर्थिक संकट के कारण पाकिस्तान साल 2023 में पूरी तरह से डिफॉल्ट होने से बिल्कुल बाल-बाल बचा था। पहले उसे आईएमएफ से 3 अरब डॉलर का स्टैंडबाय पैकेज मिला और बाद में 7 अरब डॉलर का एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी कार्यक्रम भी मंजूर हुआ था। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए उसे 1.3 अरब डॉलर का एक अलग और बहुत बड़ा कर्ज भी दिया गया था। हालांकि, पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था अब भी चीन और सऊदी अरब जैसे देशों की भारी वित्तीय मदद पर काफी हद तक निर्भर बनी हुई है।

विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव : अप्रैल महीने में संयुक्त अरब अमीरात को करीब 3.5 अरब डॉलर वापस लौटाने के बाद पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार पर बहुत भारी दबाव आ गया था। हालांकि बाद में सऊदी अरब की नई आर्थिक मदद से उसे थोड़ी बहुत राहत जरूर मिली थी, लेकिन यह नाकाफी साबित हो रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अमेरिका यह 10 अरब डॉलर की सुविधा मंजूर करता है, तो यह केवल एक साधारण आर्थिक मदद नहीं होगी। यह पाकिस्तान के लिए एक बड़ा राजनीतिक संकेत होगा जिससे विदेशी निवेशकों का भरोसा वापस लौटेगा और वित्तीय स्थिति को मजबूती मिलेगी।

अमेरिका के साथ नए रिश्ते : पिछले कुछ महीनों में पाकिस्तान ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के साथ अपने रिश्ते बहुत मजबूत करने की कोशिश की है। दोनों देशों के बीच क्रिप्टोकरेंसी, रियल एस्टेट, खनन और रेको डिक परियोजना जैसे कई अहम क्षेत्रों में सहयोग लगातार बहुत तेजी से बढ़ा है। माना जा रहा है कि अमेरिका के साथ इसी बदले हुए रिश्ते का पूरा फायदा उठाकर इस्लामाबाद अब यह बड़ी आर्थिक सहायता हासिल करना चाहता है।

रात को भिगोकर सुबह खाएं बादाम और किशमिश, सेहत पर दिखेगा जबरदस्त असर

आप अपने दिन की शुरूआत किस तरह से करते हैं, इसका काफी असर आपके पूरे दिन और स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। स्वस्थ रहने के लिए सुबह कुछ हेल्दी आदतों को अपनी रूटीन में शामिल करना चाहिए। सुबह के समय अधिकतर लोग भीगे नट्स खाने की सलाह देते हैं। क्योंकि जब आप भीगे हुए नट्स से दिन की शुरूआत करती हैं, तो आप पूरा दिन एनर्जेटिक बनी रहती हैं। हालांकि नट्स खाने के कई फायदे होते हैं।

लेकिन सुबह के समय आपको ये नट्स कितनी मात्रा में खाने हैं। अपनी डाइट में किन नट्स को शामिल करना है। इसके बारे में सही जानकारी होना जरूरी है। सुबह के समय बादाम और किशमिश से दिन की शुरूआत करने से स्वास्थ्य को कई लाभ मिलते हैं। आइए जानते हैं कि सुबह के समय बादाम और किशमिश खाने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं।

बादाम और किशमिश खाने के फायदे

- अपने दिन की शुरूआत भीगे हुई बादाम और किशमिश खाने से पूरा दिन शरीर में एनर्जी बनी रहती है।
- बादाम खाने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है। बादाम में भरपूर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स और विटामिन ई पाया जाता है।
- इसके सेवन से शरीर को शुगर मैनेज करने में मदद मिलती है।
- अक्सर इन दोनों चीजों को लोग अलग-अलग डाइट में शामिल करते हैं। इनको भिगोकर एक साथ खाना ज्यादा फायदेमंद होता है।
- कब्ज की समस्या से परेशान लोगों को सुबह के समय इसका सेवन करना चाहिए।
- बादाम और किशमिश खाने से स्किन और बालों की सेहत सुधरती है।
- इसके सेवन से डाइजेशन में सुधार होता है और एसिडिटी की समस्या नहीं होती है।
- बादाम और किशमिश के सेवन से बल्ड प्रेशर कंट्रोल होता है।
- जिन महिलाओं को पीरियड्स से संबंधित परेशानियां होती हैं, उन्हें किशमिश खाना चाहिए।
- आंतों की सेहत और हड्डियों के लिए भी किशमिश फायदेमंद होती है।

कैसे खाएं बादाम और किशमिश

- रात में 4-5 बादाम और 5-6 किशमिश को भिगो दें।
- सुबह बादाम का छिलका उतार दें।
- इसके बाद दोनों को ऐसे ही खा लें।
- इसके बाद पानी पी लें।

सूखे आलूबुखारे खाने के फायदे

इसके अलावा आप अपनी डाइट में आलूबुखारा खा सकते हैं। इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। आलूबुखारे में फाइबर और आयरन भी अधिक मात्रा में होता है। वहीं खून की कमी को पूरा करने के लिए बादाम और किशमिश के साथ इसे भी भिगोकर खाना चाहिए।

बच्चों के कब्ज की समस्या को दूर करेंगे ये उपाय...

कब्ज एक ऐसी समस्या है, जो सिर्फ बड़ों को ही नहीं, बच्चों को भी परेशान कर सकती है। खासतौर से, जब बच्चे फार्मूला मिल्क लेते हैं या फिर सॉलिड फूड लेते हैं तो उनके बाउल मूवमेंट में परेशानी हो सकती है। ऐसे में उन्हें कब्ज की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। यूं तो बच्चों को कब्ज की समस्या होने पर डॉक्टर से सलाह लेने की हिदायत दी जाती है, लेकिन कुछ आसान घरेलू उपाय भी उनकी काफी मदद कर सकते हैं। तो चलिए आज इस आसान उपायों के बारे में ही जानते हैं-

पेट की करें मालिश

शिशुओं और छोटे बच्चों में कब्ज की समस्या होने पर पेट की मालिश करना एक अच्छा विचार हो सकता है। आप बच्चे की हल्की मसाज करें या फिर उसके पैरों को साइकिल चलाने की तरह चलाएं। इससे उसे मल त्याग करने में काफी मदद मिलती है।

नेचुरल लैक्सेटिव की लें मदद

जब बच्चे को कब्ज की शिकायत होती है तो ऐसे में उसे नेचुरल लैक्सेटिव देना अच्छा विचार हो सकता है। इसलिए, आप उसकी डाइट में आलूबुखारा, सेब और नाशपाती आदि को शामिल करें। इन फलों में सोर्बिटोल नामक शुगर पाया जाता है, जो आंतों में पानी खींचकर मल को नरम करती है। जिससे बच्चे को कब्ज में आराम मिलता है।

पानी की मात्रा बढ़ाएं

एक वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों को अपनी डाइट में पानी की मात्रा बढ़ा देनी चाहिए। यह शरीर को हाइड्रेटेड रखता है, जिससे मल त्यागने में भी आसानी होती है। जब बच्चे पर्याप्त मात्रा में पानी पीते हैं, तो इससे कब्ज को रोकने में मदद मिलती है।

बढ़ाएं फाइबर की मात्रा

जब बच्चे की डाइट में फाइबर की मात्रा बढ़ाई जाती है तो इससे बच्चे को स्टूल पास करने में आसानी होती है। कोशिश करें कि आप बच्चे की डाइट में फल व सब्जियों की मात्रा बढ़ाएं। ऐसे फल व सब्जी का सेवन करें, जिनमें पानी व फाइबर भरपूर हो।

डेयरी को करें कम

अगर बच्चा इन दिनों कब्ज से जूझ रहा है तो उसकी डाइट में डेयरी की मात्रा थोड़ी कम कर दें। अत्यधिक डेयरी का सेवन विशेषकर दूध कब्ज पैदा कर सकता है। कई बच्चों में गाय के दूध में पाए जाने वाले प्रोटीन के प्रति सेंसेटिविटी होती है। इसके अलावा, अन्य डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे पनीर या चीज भी कब्ज पैदा कर सकते हैं।

ज्वॉइंट पेन से हो चुके हैं परेशान तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खा

आमतौर पर जोड़ों के दर्द को बुढ़ापे से जोड़कर देखा जाता था। आपने भी बुजुर्ग लोगों को कई बार कहते हुए सुना होगा कि उम्र बढ़ने के साथ ही उन्हें जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है। लेकिन वर्तमान समय में गलत खानपान और अनहेल्दी लाइफस्टाइल के कारण लोगों को कम उम्र में ही जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है। मुश्किल से 30 की उम्र पार करने के बाद से ही लोगों को जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है।

जोड़ों के दर्द होने के पीछे फ्ल्यूड और कोलेजन का कम होना है। हालांकि अपनी डाइट में बदलाव कर ज्वॉइंट पेन की समस्या से राहत पाई जा सकती है। साथ ही इसके लिए एक्सरसाइज भी जरूरी मानी जाती है। ऐसे में अगर आप ज्वॉइंट के दर्द से परेशान हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे खास मिक्चर के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसके इस्तेमाल से जोड़ों के दर्द को दूर करने में मदद मिल सकती है।

जोड़ों के दर्द को दूर करने वाले मिक्चर की सामग्री

बादाम- 1/2 कटोरी
मखाना- 1/2 कटोरी
भुने हुए चने- 1/2 कटोरी
सौंठ- 1/2 टीस्पून
अजवाइन- 1 टीस्पून
दालचीनी- 1/2 टीस्पून
सूखा हुए खजूर- 5
मिश्री- 1/4 कटोरी

ऐसे बनाकर करें तैयार

इन सभी चीजों के ग्राइंडर कर महीन पाउडर बना लें।
फिर 1 चम्मच पाउडर को 1 गिलास पानी में मिलाएं।
इसके बाद रोजाना दिन में एक बार इसका सेवन करें।

जोड़ों के दर्द से निजात पाने का घरेलू नुस्खा

मखाना शरीर में कैल्शियम लेवल को बढ़ाने में मदद करता है। इसके साथ ही आस्टियो आर्थराइटिस के लक्षणों को भी कम करता है।

बादाम में कैल्शियम और मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। यह ज्वॉइंट्स के इंफ्लेमेशन को मजबूत करने के साथ ज्वॉइंट के दर्द में राहत देता है।

भुने हुए चने में विटामिन-के पाया जाता है। यह शरीर को कैल्शियम प्रदान करने के साथ जोड़ों के दर्द में भी आराम देता है।

सूखे हुए खजूर में विटामिन सी और विटामिन डी की भरपूर मात्रा पायी जाती है। इसके सेवन से कोलेजन प्रोजक्शन बूस्ट होता है और ज्वॉइंट में लचीलापन आता है।

अजवाइन में विटामिन-के की प्रचुर मात्रा पायी जाती है। यह मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है और जोड़ों का दर्द और सूजन खत्म करता है।

दालचीनी में सिनेमिक एसिड पाया जाता है। इसके सेवन से जोड़ों के दर्द और इंफ्लेमेशन से राहत मिलती है।

मिश्री डाइजेस्टिव जूस को रिलीज करने में सहायक होती है। इससे गैस की समस्या नहीं होती और पाचन में सुधार होता है।

सौंठ में एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज पाया जाता है, यह ज्वाइंट में होने वाली ऐंठन को कम करती है।

पर्याप्त नींद नहीं होने से दिमाग होता है प्रभावित

व्यस्त आधुनिक जीवन में आजकल किसी के पास समय नहीं है। ऐसे में लाग पर्याप्त नींद तक नहीं ले पाते। इससे उन्हें कई बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। कम से कम 7 घंटे की नींद न लेने से दिमाग को आराम नहीं मिलता है और हम दिनभर थकान का अनुभव करते हैं। इससे याद रखने की क्षमता भी कम होती है। ऐसे में समय के साथ-साथ दिमाग की काम करने की क्षमता कम हो जाती है। इसका भी दिमाग पर बुरा असर पड़ सकता है। इसके अलावा भी कई अन्य कारणों से दिमाग प्रभावित होता है। ज्यादातर अकेले रहने से दिमाग पर बुरा असर पड़ता है। इससे आगे चलकर अल्जाइमर बीमारी का खतरा भी बढ़ जाता है।

जंक फूड में सोडियम की मात्रा काफी ज्यादा होती है जो दिमाग के न्यूरॉन रिसेप्टर्स को नुकसान पहुंचाता है। ज्यादा मात्रा में जंक फूड खाने पर कंफ्यूजन, सिरदर्द और वॉमटिंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लगातार कई घंटों तक हेडफोन या इयरफोन लगाकर तेज आवाज में गाने सुनने से ब्रेन टिश्यूज पर बुरा असर पड़ता है। इससे अल्जाइमर की समस्या भी हो सकती है। हर दिन कोई भी फिजिकल ऐक्टिविटी न करने से डायबीटीज, हार्ट डिजीज और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। इनका दिमाग पर बुरा असर होता है। स्मोकिंग के दौरान हमारे शरीर में कई हार्मफुल केमिकल्स आ जाते हैं। ये खून को गाढ़ा कर देते हैं, जिससे दिमाग तक खून की सप्लाई कम हो जाती है। भूख से अधिक खाने का संबंध भी दिमाग से ही है। ज्यादा खाने से दिमाग के सोचने की क्षमता पर भी असर पड़ता है। वहीं प्राकृतिक रौशनी में न रहने और ज्यादातर समय अंधेरे में रहने के कारण अवसाद बढ़ जाता है। इसका भी दिमाग पर बुरा असर पड़ता है।

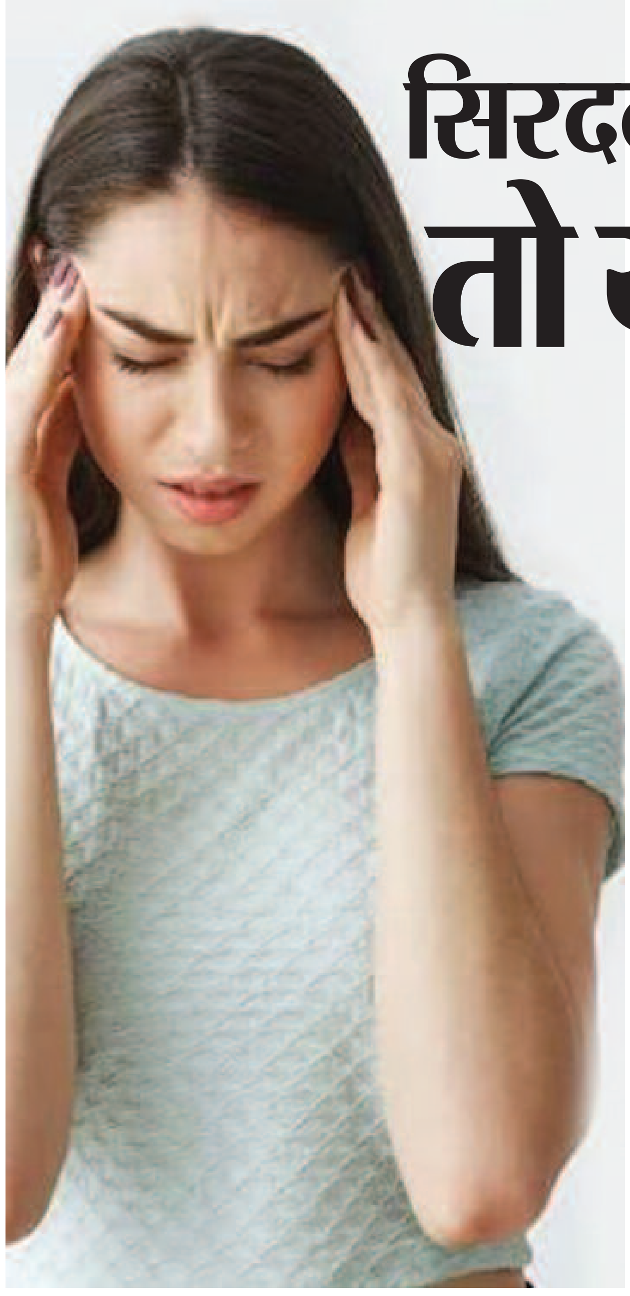

सिरदर्द की समस्या से हो गए हैं परेशान तो यह हो सकती है वजह

आजकल की भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल में सिरदर्द होना एक आम समस्या हो गई है। हालांकि सिरदर्द के कई कारण हो सकते हैं। जिनमें तनाव, गैस, गलत खान-पान, सर्दी-जुकाम और थकान वगैरह भी सिरदर्द की वजह हो सकती है। सिरदर्द के पीछे का एक कारण शरीर में पोषक तत्वों की कमी भी हो सकती है। अक्सर सिर दर्द होने पर हम पेन किलर खा लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके गंभीर परिणाम भी हो सकते हैं।

ऐसे में अगर आपको भी अक्सर सिरदर्द की समस्या रहती है, तो इसके पीछे का कारण जानना बेहद जरूरी होता है। साथ ही सिरदर्द को दूर करने के तरीकों के बारे में भी जानकारी होना जरूरी है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सिरदर्द होने के कारण और इससे बचने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

जानिए सिरदर्द के पीछे का कारण

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो जब शरीर में सोडियम की कमी होती है, तो सिरदर्द हो सकता है। वहीं अगर आप अक्सर सिर दर्द की समस्या से परेशान रहते हैं, तो आपको सोडियम लेवल की जांच जरूर करवानी चाहिए। क्योंकि शरीर में सोडियम की कमी होने पर थकान, भूख में कमी और चिड़चिड़ापन के लक्षण नजर आ सकते हैं। बता दें कि लंबे समय तक शरीर में सोडियम की कमी होने पर हमारे शरीर के कई फंक्शन्स पर भी असर पड़ता है। यहां तक की कई बार सोडियम की कमी से व्यक्ति बेहोश तक हो जाता है। सोडियम की कमी होने पर लोगों के सिर में दर्द बना रहता है।

ऐसे दूर करें सोडियम की कमी

व्यक्ति के शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी होने पर सोडियम लेवल में कमी आ सकती है। ज्यादा पसीना या ज्यादा यूरिन आने के कारण भी ऐसा हो सकता है। ऐसे में आप अपनी डाइट में सोडियम की मात्रा कम लेते हैं, तो खाने में नमक की मात्रा का खास ख्याल रखना चाहिए। इसके साथ ही शरीर में पानी की सही मात्रा का होना भी काफी जरूरी होता है। क्योंकि शरीर में पानी की कमी होने पर डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। डिहाइड्रेशन से भी शरीर में सोडियम की कमी हो सकती है।

ऐसे में अगर आपको अक्सर सिरदर्द रहता है, तो हो सकता है कि आप पर्याप्त मात्रा में पानी ना पी रहे हों। वहीं उल्टी व दस्त की समस्या होने पर भी शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का बैलेंस बनाए रखने के लिए आप नमक की सही मात्रा का सेवन करें।

बुजुर्गों की हड्डियों को कमजोरी से बचाता है सीबीएफ-बीटा प्रोटीन

शोधकर्ताओं ने एक ऐसी प्रणाली की पहचान की है जो बताता है कि बुजुर्गों की हड्डियों में कमजोरी क्यों आ जाती है। साथ ही शोधकर्ताओं ने ऐसा तरीका खोज निकाला है, जिसके जरिए बढ़ती उम्र के साथ हड्डियां कमजोर होने के इलाज में काम आ सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑस्टियोपोरोसिस यानी हड्डी के पतलेपन और डेंसिटी में कमी के कारण हड्डी टूटने का खतरा बढ़ जाता है। यह बुजुर्गों की एक प्रमुख स्वास्थ्य समस्या है। अक्सर ये हालात बोन मैरो में फैट सेल्सर की वृद्धि के साथ पैदा होते हैं। बर्मिंघम के अलबामा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर यू-पिंग ली के एक अध्ययन में सामने आया है कि सीबीएफ-बीटा नामक एक प्रोटीन हड्डियों के बनने में मददगार कोशिकाओं को शरीर में बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एक परीक्षण में पाया गया कि युवा चूहों की तुलना में वृद्ध चूहों की बोन मैरो सेल्स में सीबीएफ-बीटा का स्तर कम पाया गया। इस निष्कर्ष से पता चलता है कि इस प्रणाली में खराबी आने पर, कोशिकाएं हड्डियों को बनाने में मदद करना बंद कर देती हैं और फैट सेल्स को बनाने में मदद करती हैं। ली ने कहा कि सीबीएफ-बीटा नाम के प्रोटीन को बनाए रखना ह्यूमन लाइफ रिलेटिड ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने में मदद कर सकता है।शोधकर्ताओं का कहना है कि इस प्रणाली की जानकारी होने से कम से कम साइड इफेक्ट के साथ ह्यूमन बोन मेरो का इलाज किया जा सकता है।

नीट पेपर लीक और शिक्षा के व्यापारीकरण के विरोध में यूएसएफ का प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नीट परीक्षा पेपर लीक और शिक्षा के बढ़ते व्यापारीकरण के विरोध में उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) के छात्र संगठन यूएसएफ ने गुरुवार को झंडाचौक में केंद्र सरकार व प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर जोरदार नारेबाजी की। छात्रों ने परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई। नगर अध्यक्ष नवीन भंडारी के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में छात्रों ने कहा कि लगातार हो रही पेपर लीक की घटनाओं से युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है और उनकी मेहनत पर पानी फिर रहा है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि छात्रों के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जाएगा। उक्रांद नेता एवं अधिवक्ता रोहित डंडरियाल ने कहा

कि देश में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों ने युवाओं का मनोबल तोड़ दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब छात्र अपने अधिकारों की मांग को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करते हैं तो सरकार उनकी आवाज दबाने का प्रयास करती है। उन्होंने कहा कि नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान संगठन ने उत्तराखंड सरकार पर भी छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। वक्ताओं ने कहा कि राज्य में भी पूर्व में कई भर्ती परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिससे युवाओं का सरकारी भर्ती प्रक्रियाओं पर विश्वास कमजोर हुआ है। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में सुधार और परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी बनाने की मांग की। प्रदर्शन में अनास, साहिल, अब्दुस, अंचिका, नेहा, क्रिश, प्रिंस, तनिष्क, विपिन, सोमन, प्रियांशु, सैंडी, आशीष, अर्णव, अमन, रितु, जायद सहित अन्य छात्र मौजूद रहे।

इंडिया स्किल प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण शुरू

गोपेश्वर। इंडिया स्किल प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण शुरू हो गए हैं। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय केंद्र सरकार के निर्देश पर आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में कौशल विकास करना है।

प्रतियोगिता में चमोली जिले से अधिक से अधिक युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन की ओर से शैक्षिक संस्थानों में जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। विद्यालयों, महाविद्यालयों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई), पॉलीटेक्निक, कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों व अन्य शिक्षण संस्थानों में प्रशासन की ओर से युवाओं को इसके बारे में जानकारी दी जा रही है।

जिलाधिकारी गौरव कुमार ने सभी पात्र युवाओं से प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा दिखाने के अवसर दिए जाएंगे।

पात्र परिवारों के राशन कार्ड बहाल करने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : झंडीचौड़ वार्ड नंबर 37 के पार्षद सुखपाल शाह ने पात्र लोगों के राशन कार्ड से नाम काटे जाने पर नाराजगी जताते हुए उपजिलाधिकारी संदीप कुमार को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि लगातार शिकायतों के बावजूद मामले को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है, जिससे गरीब और जरूरतमंद परिवार सरकारी खाद्य सुरक्षा योजना के लाभ से वंचित हो रहे हैं। ज्ञापन में बताया गया कि लगभग तीन माह पूर्व खाद्य एवं पूर्ति विभाग तथा प्रशासन द्वारा राशन कार्डों का सत्यापन कराया गया था। सत्यापन के दौरान कई पात्र परिवारों के नाम भी राशन कार्ड से हटा दिए गए। इनमें बड़ी संख्या में विधवा महिलाओं और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के नाम शामिल हैं, जिनकी आजीविका का कोई स्थायी साधन नहीं है और जो केवल 1500 रुपये प्रतिमाह मिलने वाली विधवा पेंशन पर निर्भर हैं। सुखपाल शाह ने कहा कि यदि जांच में अपात्र लोगों के नाम हटाए गए हैं तो उस पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन पात्र गरीब परिवारों के नाम हटाना अन्यायपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कई परिवारों के पास अपने आवास के अतिरिक्त कोई भूमि नहीं है और वे आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं। ऐसे जरूरतमंद परिवारों को राशन कार्ड योजना का लाभ मिलना बेहद आवश्यक है। उन्होंने उपजिलाधिकारी से मांग की कि जिन पात्र लोगों के राशन कार्ड निरस्त किए गए हैं, उनका दोबारा सर्वे कर-ाकर उन्हें पुनः योजना का लाभ दिलाया जाए। इस दौरान सुमित्रा देवी, सुलोचना देवी, देवेश्वरी देवी, सीता देवी, कृष्ण चंद खंतवाल, पुष्पा देवी, आनंद घिल्डियाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

उफनती कमल नदी में फंसी गाय को बचाया

पुरोला। लगातार बारिश से उफान पर आई कमल नदी में फंसी एक गोवंश को फायर सर्विस और नगर पालिका परिषद पुरोला की संयुक्त टीम ने साहसिक अभियान चलाकर सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

जानकारी के अनुसार गाय तेज धारा में बहते हुए नदी के बीच बड़े पत्थरों के बीच फंस गई थी। पानी का बहाव लगातार बढ़ रहा था जिससे उसके बह जाने का खतरा मंडरा रहा था। सूचना मिलते ही फायर सर्विस के जवान और नगर पालिका के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। बिना समय गंवाए टीम ने सुरक्षा उपकरणों की मदद से नदी में उतरकर रेस्क्यू अभियान शुरू किया। तेज बहाव के बीच काफी मशक्कत के बाद गाय को सुरक्षित बाहर निकालकर ऊंचे स्थान पर पहुंचाया गया।

प्रशासन ने लोगों से नदी–नालों के किनारे अनावश्यक आवाजाही से बचने और पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर रखने कहा है। रेस्क्यू अभियान में फायर सर्विस के राजीव कवि, दिनेश कुमार और अमित चौधरी के साथ नगर पालिका परिषद के चंद्रपाल, प्रशांत और नागेंद्र की अहम भूमिका रही।

डग्गामारी पर परिवहन विभाग का बड़ा शिकंजा

उत्तरकाशी। अवैध रूप से निजी वाहनों में सवारियां ढोने (डग्गामारी) के खिलाफ परिवहन विभाग ने सख्त कदम उठाते हुए विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान कई निजी वाहन व्यावसायिक रूप से संचालित होते पाए गए। नियमों के उल्लंघन पर विभाग ने एक निजी वाहन को मौके पर ही सीज कर दिया।

एआरटीओ (प्रवर्तन) सुवर्णा नौटियाल ने कहा कि डग्गामारी और यातायात नियमों की अनदेखी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसे मामलों में आगे भी लगातार अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान ही एआरटीओ सुवर्णा ने संवेदनशीलता और त्वरित निर्णय क्षमता का परिचय देते हुए सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल चालक की जान बचाने के लिए तत्काल मदद पहुंचाई।

सुबह ओपन टनल के समीप एक निजी वाहन पर बिजली का भारी खंभा गिरने से चालक पुरुषोत्तम गंभीर रूप से घायल हो गया। उसी समय वहां से गुजर रही एआरटीओ ने दुर्घटना देख तुरंत अपना वाहन रुकवाया, टीम की मदद से घायल को बाहर निकलवाया और बिना समय गंवाए अपनी सरकारी गाड़ी से जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है।

93 मरीजों ने कराई स्वास्थ्य जांच

नारायणबगड़। सेवा, सुशासन एवं समर्पण के संकल्प के तहत स्वास्थ्य विभाग की ओर से ब्लॉक सभागार में आयोजित बहु–विशेषज्ञ निशुल्क स्वास्थ्य शिविर के दूसरे दिन 93 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य जांच कराई। शिविर में 33 लोगों की रक्तचाप और 33 लाभार्थियों की मधुमेह की स्क्रीनिंग की गई। तीन दिव्यांगजनों के दिव्यांग प्रमाणपत्र बनाए। 20 लाभार्थियों की विभिन्न जांच की गईं। इसके अलावा 18 महिलाओं की सर्वाइकल कैंसर, दो की स्तन कैंसर और चार लोगों की मुख कैंसर की स्क्रीनिंग की गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता ने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाने की अपील की।

भूस्खलन के कारण कुछ परिवारों को खतरा

ज्योतिर्मठ। विकासखंड ज्योतिर्मठ के किमाणा गांव में बारिश से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए बृहस्पतिवार को तहसील प्रशासन की टीम गांव पहुंची। टीम ने गांव के ऊपर भूस्खलन वाले क्षेत्र में जाकर भी निरीक्षण किया। टीम ने माना की यहां भूस्खलन के कारण कुछ परिवारों को खतरा हो सकता है।

दो दिन पहले बारिश के दौरान किमाणा गांव के ऊपर भूस्खलन शुरू हुआ था। बारिश के पानी के साथ भारी मात्रा में मिट्टी गांव में आ गई थी। इससे लोगों के घरों के आस–पास मलबा जमा हो गया और पैदल रास्ते टूट गए। खेतों में मलबा भरने से फसल को भी नुकसान पहुंचा है। ग्रामीणों के अनुसार गांव के करीब 20 परिवार खतरे की जद में आ गए हैं। बृहस्पतिवार को प्रशासन की टीम ने गांव में पहुंचकर नुकसान का जायजा लिया। राजस्व निरीक्षक आशीष बिष्ट ने बताया कि गांव के ऊपर भूस्खलन हुआ है। इससे कुछ परिवारों को खतरा हो सकता है। पैदल मार्ग भी क्षतिग्रस्त हुए हैं, खेतों को भी नुकसान पहुंचा है। इसकी रिपोर्ट उच्चाधिकारियां को दे दी जाएगी।

मानव शरीर को प्रभु की भक्ति में लगाएं

पोखरी। बामेश्वर शिवालय में आयोजित 11 दिवसीय शिव महापुराण कथा में कथावाचक आचार्य अनूप उनियाल ने कहा कि मानव शरीर ईश्वर की प्राप्ति का श्रेष्ठ साधन है। इसे व्यर्थ न गंवाकर प्रभु की भक्ति में लगाना चाहिए। सावन मास केपर बामेश्वर सिद्धपीठ में शिव महापुराण काथा का आयोजन किया जा रहा है।

कथावाचक आचार्य अनूप उनियाल ने कहा कि भगवान शिव आशुतोष हैं, सच्चे मन से की गई छोटी सी साधना से वह प्रसन्न हो जाते हैं और भक्तों की मनोकामना पूरी कर देते हैं। मानव शरीर का उद्देश्य ईश्वर की भक्ति कर जन्म–मरण के बंधन से मुक्ति प्राप्त करना है।

आयोजन समिति की सतेश्वरी देवी व देव डोली उपासक विकास राणा ने बताया कि 29 जुलाई को दक्षिण काली देवी डोली का वार्षिक उत्सव मनाया जाएगा। त्रिवेणी घाट से बामेश्वर शिवालय तक कलश यात्रा निकाली जाएगीद्ध 30 जुलाई को शिवमहापुराण कथा संपन्न होगी।

विद्यालय में किया औषधीय व फलदार पौधों का रोपण, छात्राओं ने लिया संरक्षण का संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कण्वनगरी में रोटरी क्लब के तत्वावधान में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में औषधीय एवं फलदार पौधे लगाए गए और उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्य बबीता ध्यानी ने किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक उत्तरदायित्व और स्वच्छता के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। रोटरी क्लब की अध्यक्ष प्रतिभा गुप्ता ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण जितना आवश्यक है, उससे अधिक जरूरी रोपे गए पौधों की नियमित देखभाल करना है। उन्होंने छात्राओं

से पौधों को संरक्षित रखने और हरित वातावरण बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। अभियान में विद्यालय की लगभग 45 छात्राओं ने भाग लिया। इस दौरान उन्हें पौधों के महत्व, जल संरक्षण तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में उनकी भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंतर्गत नीम, आंवला, अर्जुन, अमरूद और बकैन के पौधे लगाए गए। सभी छात्राओं ने पौधों की नियमित सिंचाई, निराई-गुड़ाई एवं संरक्षण करने के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर वीना रावत, धनेश अग्रवाल, वाईपी गिलरा, विपिन बक्शी, शरत चंद्र गुप्ता, अनिल भोला, ऋषि ऐरन, विजय कुमार, अशोक अग्रवाल, दिनेश रस्तोगी, अनुराग अग्रवाल, गुरूबचन सिंह, उषा अग्रवाल, कुलदीप अग्रवाल, डॉ. एन.पी. पोखरियाल, सचिन गोयल, अमित अग्रवाल और ज्योति स्वरूप उपाध्याय सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गंगोत्री हाईवे पर रतूड़ीसेरा में बोल्डर गिरने से मजदूर घायल

उत्तरकाशी। गंगोत्री हाईवे पर रतूड़ीसेरा में पहाड़ी पर हो रहे ट्रीटमेंट कार्य और नदी के ओर से हो रहे सुरक्षात्मक कार्यों में सुरक्षा मानकों में बड़ी लापरवाही देखने को मिली। बृहस्पतिवार दोपहर नदी की ओर से कार्य कर रहे पश्चिम बंगाल के मजदूर के ऊपर बोल्डर गिर गया जिससे वह करीब सौ मीटर गहरी खाई में जा गिरा। मौके पर मौजूद अन्य मजदूरों ने रस्सियों के सहारे उसे बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया जहां से उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार बृहस्पतिवार को गंगोत्री हाईवे पर रतूड़ीसेरा में चल रहे ट्रीटमेंट कार्य के दौरान दोनों ओर यातायात रोका गया था। इस दौरान मजदूरों की एक टीम सड़क के ऊपर से पहाड़ी के लटके भाग को तोड़ रही थी। दूसरी ओर सड़क से नीचे नदी की ओर से चल रहे सुरक्षात्मक कार्य के दौरान अन्य मजदूर जालों को लगाने के लिए ड्रिल कर रहे थे।

कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन, फूंका केंद्र सरकार का पुतला

श्रीनगर/कीर्तिनगर : दिल्ली में छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में गोला पार्क में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी करते हुए सरकार का पुतला दहन किया और कार्रवाई को लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत बताया।

प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस एवं विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने कहा कि देश में युवाओं और छात्रों से जुड़े मुद्दों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की। प्रदर्शन में नगर कांग्रेस अध्यक्ष सूरज घिल्डियाल, पीसीसी सदस्य वीरेंद्र सिंह नेगी, अंजू भट्ट, निशांत कंडारी, देवी प्रसाद गोदियाल, लाल सिंह नेगी, हीमा नेगी, मीना रावत आदि मौजूद रहे। दूसरी ओर कीर्तिनगर में युवा कांग्रेस के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने हाथों में काली पट्टी बांधकर और प्रतीकात्मक हथकड़ी पहनकर बाजार में रैली निकाली। इसके बाद भाजपा सरकार का पुतला दहन किया। युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष उत्तम सिंह असवाल ने कहा कि देश में युवाओं और छात्रों से जुड़े मुद्दों की अनदेखी की जा रही है। युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष अंकित सिंह ने आरोप लगाया कि लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव बनाया जा रहा है। प्रदर्शन में जिला कांग्रेस कमेटी देवप्रयाग के संगठन महासचिव रघुवीर सिंह भंडारी, युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अमन शाह, विनीत आर्य, ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश वर्तवाल, अर्जुन गोदियाल, दिनेश भट्ट आदि शामिल थे। (एजेंसी)

15 दिन में सड़क का काम पूरा नहीं हुआ तो करेंगे अनशन

चिन्यालीसौड़। धरासू–दिकोली गमरी मोटर मार्ग का लंबे समय से अधूरा पड़ा करीब 300 मीटर हिस्सा जल्द पूरा नहीं हुआ तो ग्राम पंचायत गमरी के ग्रामीण आंदोलन करेंगे। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर 15 दिनों के भीतर निर्माण कार्य शुरू कर पूरा कराने की मांग की है। साथ ही मांग पूरी न होने पर अनिश्चितकालीन धरना और आमरण अनशन शुरू करने की चेतावनी दी है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क का निर्माण कार्य अधूरा होने से क्षेत्र के विद्यार्थियों, मरीजों, किसानों और आम यात्रियों को रोजाना परेशानी उठानी पड़ रही है।

बरसात के दौरान अधूरा मार्ग और अधिक जोखिमपूर्ण हो जाता है जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ग्राम प्रधान गमरी मनीषा, रौंतल ग्राम प्रधान देवेश्वरी आदि ने बताया कि सड़क का निर्माण पूरा कराने को लेकर लोक निर्माण विभाग से कई बार अनुरोध और शिकायत की जा चुकी है लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

लैंसडौन में पर्यटकों के आने की संख्या पर लगा ब्रेक

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : लैंसडौन पर्यटन नगरी में इस वर्ष लगभग 60000 से अधिक पर्यटक पहुंचे। बरसात और कोहरे की वजह से लैंसडौन में पर्यटकों के आने की संख्या में जरूर ब्रेक लगा है। परंतु कुछ जमीनी हकीकतें भी हैं। जिस वजह से पर्यटक बारिश और कोहरे में कम आ रहे है।

पर्यटकों के लैंसडौन कम पहुंचने का मुख्य कारण लैंसडौन-फरसुला मोटर मार्ग के निर्माण व डामरीकरण चौड़ीकरण न होना है। बरसात और कोहरे में लैंसडौन-फरसुला मोटर मार्ग में गाड़ियों का जाम लगता है। सड़क संकरी होने के कारण दुर्घटनाओं को न्योता दे रही है। इस मार्ग पर पिछले वर्ष भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। लैंसडौन में आने वाले पर्यटकों का ग्राफ तो बड़ा, परंतु उनके लिए सुविधाओं

का ग्राफ कब बढ़ेगा यह पता नहीं। लैंसडौन फरसुला मोटर मार्ग का चौड़ीकरण न होना पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिए जी का जंजाल बनता जा रहा है। व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेश अग्रवाल का कहना है कि लैंसडौन-फरसुला मार्ग का चौड़ीकरण न होने की वजह से कोहरे और बरसात में पर्यटकों के साथ-साथ स्थानीय लोगों को जाम का सामना करना पड़ता है, जिससे पर्यटकों के आने की संख्या में कमी आती है। कांग्रेस नेता गंभीर सिंह रावत का कहना है कि लैंसडौन विधायक को विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं का निस्तारण करना चाहिए। परंतु बीजेपी सरकार की मंशा लैंसडौन-फरसुला मोटर मार्ग चौड़ीकरण करने की नहीं लगती।

सेना और ग्रामीणों ने चलाया हरियाली का अभियान

धौलीधार व मार्गांव में 600 पौधे रोपे, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : असवालस्यूं पट्टी के ग्राम धौलीधार व मार्गांव में सेना और स्थानीय ग्रामीणों ने हरियाली का अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस मौके पर विभिन्न प्रजातियों के करीब 600 पौधों का रोपण किया गया।

पर्यावरण प्रेमी व सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. गिरीश चंद्र बडोला की पहल पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में गढ़वाल रायफल्स रेजिमेंटल सेंटर की यूनिट 127, टीए बटालियन के जवानों की सक्रिय भागीदारी रही। इस दौरान आम, अमरूद, अनार, जामुन, आंवला, नीम के साथ ही शहतूत, भेमल, श्रेयस, गुलमोहर जैसी प्रजातियों के लगभग

600 पौधों का रोपण किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए असाधारण कार्य करने की उत्तराखंड की परंपरा रही है। पहाड़ में हरेला जैसे पर्व मनाए जाते हैं, जो प्रकृति के साथ मानव के गहरे संबंध को परिलक्षित करते हैं। औपचारिक रूप से भले ही हरेला 16 जुलाई को मनाया जाता हो, लेकिन पूरे मानसून सीजन में हर दिन हरेला है। इसलिए ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण किए जाने चाहिए। कार्यक्रम में ईको बटालियन की ओर से आश्वासन दिया गया कि अगले वर्ष इस क्षेत्र में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण किया जाएगा।

सड़क पर घायल गाय व मरा मवेशी देख धरने पर बैठे कांवड़ यात्री

उत्तरकाशी। बृहस्पतिवार दोपहर डुंडा के सैणी में गंगोत्री हाईवे पर एक मरे हुए मवेशी और घायल गाय को देखकर गंगोत्री धाम से गंगाजल लेकर लौट रहे कांवड़ यात्री सड़क पर धरने पर बैठ गए।

इससे करीब आधे घंटे वाहनों की आवाजाही बाधित रही। सूचना मिलने पर एसडीएम सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जिला पंचायत के अधिकारियों को फोन किया गया लेकिन कोई जवाब नहीं मिलने पर पुलिस ने किसी प्रकार व्यवस्था कर मरे हुए मवेशी को दफनाया और घायल को पशु अस्पताल पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार बीती बुधवार देर रात को सैणी के पास गंगोत्री हाईवे पर किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से एक मवेशी की मौत हो गई थी। साथ ही उसके साथ दूसरी गाय गंभीर रूप से घायल हो गई थी। बृहस्पतिवार को दोपहर तक उन्हें सड़क से किसी ने नहीं हटाया। उस समय गंगोत्री धाम से जल लेकर लौट रहे कांवड़ यात्रियों ने रास्ते यह दृश्य देख आक्रोश जताया।

करीब दस कांवड़ यात्री सड़क के बीच में बैठ गए। उन्होंने कहा कि सड़क पर घायल पड़ी गाय की मदद की जाए और मरे हुए मवेशी को दफनाया गया। इससे दोनों और यातायात रुक गया। इसकी सूचना मिलने पर एसडीएम देवानंद सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंचे।

बहुउद्देशीय शिविर में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़, 36 शिकायतें दर्ज, अधिकांश का मौके पर हुआ समाधान

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : सेवा, सुशासन एवं समर्पण अभियान के अंतर्गत विकासखंड ऊखीमठ की ग्राम पंचायत कविल्ठा में जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल तथा सीमांत अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष एवं राज्य मंत्री चंडी प्रसाद भट्ट ने दीप प्रज्वलित कर किया।

शिविर का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाना, आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करना तथा लोगों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध कराना था। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों द्वारा कुल 36 शिकायतें एवं समस्याएं दर्ज कराई गईं। संबंधित विभागों के अधिकारियों ने अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया, जबकि शेष मामलों को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से समाधान करने के निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार गांव-गांव तक शासन की सेवाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। कहा कि जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान का उद्देश्य आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, बल्कि प्रशासन स्वयं उनके द्वार तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से सरकार और जनता के बीच संवाद मजबूत हो रहा है तथा पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से मिल रहा है। सीमांत अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष चंडी प्रसाद भट्ट ने कहा कि सरकार का लक्ष्य विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। कहा कि शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाएं लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने का माध्यम बन रही हैं। उन्होंने ग्रामीणों से सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने तथा अपने आसपास के पात्र लोगों को भी इन योजनाओं की जानकारी देने का आह्वान किया। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत, जिला पंचायत सदस्य कालीमठ वार्ड सरोज राणा, जिला पंचायत सदस्य त्रियुगीनारायण वार्ड अमित मेखंडी, ग्राम प्रधान कविल्ठा कुलदीप सिंह रावत, प्रधान संगठन के अध्यक्ष त्रिलोक सिंह रावत, ग्राम प्रधान कुणजैठी अनिल शाह, तहसीलदार ऊखीमठ निशांत कांबोज, खंड विकास अधिकारी ऊखीमठ अनुष्का, मुख्य कृषि अधिकारी लोकेंद्र बिष्ट, जिला समाज कल्याण अधिकारी टी.आर. मलेठा, जिला उद्यान अधिकारी आर.पी. जसोला, जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. रघुवीर सिंह पाल, जिला सेवायोजन अधिकारी सुशील चमोली, कार्यक्रम के संचालक किशन सिंह रावत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

अफगानिस्तान को मिला नया कप्तान

▸▸ गुरबाज को भी अहम जिम्मेदारी; 55 में से 27 ODI जीत दिलाने वाले शाहिदी का युग समाप्त

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान की टीम हाल ही में भारत के खिलाफ 3-0 से वनडे सीरीज हारकर गई थी। इस सीरीज में हार के कुछ दिन बाद ही अफगान टीम के वनडे व टेस्ट कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने कप्तानी छोड़ दी थी। अब उनकी जगह अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार (22 जुलाई 2026) को वनडे व टेस्ट टीम के नए कप्तान का ऐलान किया है। राशिद खान को यह जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई है और रहमत शाह नए कप्तान बन गए हैं। हशमतुल्लाह शाहिदी की कप्तानी में अफगानिस्तान क्रिकेट टीम का प्रदर्शन तुलनात्मक रूप से काफी अच्छा रहा। टीम ने इस दौरान अपना प्रदर्शन भी सुधारा। इसमें 2023 वनडे वर्ल्ड कप, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में टीम का खेलना और कई शानदार प्रदर्शन भी शामिल हैं।

अगले साल होने वाले 2027 वनडे वर्ल्ड कप के मद्देनजर शाहिदी ने यह पद छोड़ने का फैसला किया था। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने नए कप्तान का ऐलान करते हुए शाहिदी का शुक्रिया भी अदा किया और कहा, 'अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड हशमतुल्लाह शाहिदी द्वारा टीम के लिए दी गई उपयोगी सेवाओं की सराहना करता है। साथ ही बोर्ड रहम शाह जुरमाती को अपने नए रोल और आने वाली चुनौती के लिए शुभकामनाएं देता है।

गुरबाज को बनाया गया उपकप्तान

रहमत शाह मई 2021 से अफगान टीम के उपकप्तान थे। वहीं वह टेस्ट और वनडे में अफगानिस्तान के लीडिंग रन स्कोरर भी हैं। शाह को कप्तान तो विकेटकीपर बल्लेबाज रहमनुल्लाह गुरबाज को अफगानिस्तान क्रिकेट टीम का वनडे और टेस्ट का उपकप्तान नियुक्त किया गया है। शाह और गुरबाज की बतौर लीडर्स अगली सीरीज आयरलैंड के खिलाफ होगी जहां पांच वनडे मुकाबले खेले जाएंगे।

इंटर मियामी ने शिकागो फायर को 3-2 से हराया

मियामी, एजेंसी। इंटर मियामी सीएफ ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) रेगुलर सीजन में शानदार वापसी करते हुए शिकागो फायर एफसी को 3-2 से हराया। घरेलू मैदान पर मिली इस जीत के साथ इंटर मियामी ने लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। इंटर मियामी की इस जीत के नायक स्टार स्ट्राइकर लुइस सुआरेज रहे, जिन्होंने मुकाबले में दो गोल दागे। वहीं, युवा खिलाड़ी प्रेस्टन प्लैम्बेक ने भी एक महत्वपूर्ण गोल करते हुए टीम की जीत में अहम योगदान दिया। शिकागो फायर के खिलाफ इस मुकाबले में सुआरेज ने अपने करियर की दो बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। उन्होंने इंटर मियामी के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 100 मैच पूरे किए और क्लब के लिए 50 गोल करने का आंकड़ा भी पार किया। वह इंटर मियामी के इतिहास में ऐसा करने वाले सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। शिकागो फायर के लिए मैच की शुरुआत शानदार रही और 18वें मिनट में ही 1-0 की बढ़त बना ली। शिकागो को यह बढ़त इंटर मियामी के एक खिलाड़ी द्वारा किए गए अपने ही गोल की बदौलत मिली। इसके बाद इंटर मियामी ने मैच में वापसी की शुरुआत की।

चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स:

● अर्जुन एरिगैसी से खेला ड्रॉ

अलीरेजा फिरोजा ने जीता चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स खिताब

नई दिल्ली , एजेंसी। फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने अंतिम दौर में भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ ड्रॉ खेलकर 4.5 अंकों के साथ चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स 2026 का खिताब जीत लिया।

विश्व चैंपियन डी गुकेश का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वह 2 अंकों के साथ अंतिम स्थान पर रहे।

अंतिम दौर में ड्रॉ से पक्की की जीत

टूर्नामेंट के आखिरी राउंड से पहले फिरोजा 4 अंक के साथ शीर्ष पर थे और उनके पास अर्जुन एरिगैसी तथा उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव पर आधे अंक की बढ़त थी। ऐसे में खिताब जीतने के लिए उन्हें सिर्फ ड्रॉ की जरूरत थी। उन्होंने अर्जुन के खिलाफ 41 चालों में मुकाबला बराबरी पर समाप्त कर 4.5 अंकों के साथ चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

अब्दुसत्तोरोव की हार ने आसान किया रास्ता

दूसरी ओर, काले मोहरों से जीत दर्ज कर खिताब की दौड़ में बने रहने की कोशिश कर रहे नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को रूस के दिमित्री आंद्रेइकिन ने 37 चालों में मात दी। इस हार के बाद फिरूजा के लिए ड्रॉ ही खिताब सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त था।

आंद्रेइकिन और अर्जुन संयुक्त दूसरे स्थान पर

दिमित्री आंद्रेइकिन ने अंतिम दौर में जीत के साथ 4 अंक हासिल किए और भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। वहीं नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव, निहाल सरीन और एम. प्रणेश 3.5-3.5 अंकों के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर रहे।

25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि

फिरोजा ने पूरे टूर्नामेंट में दो मुकाबले जीते और बाकी पांच ड्रॉ खेले। इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने 4.5 अंक जुटाए और चैंपियन बनने के साथ 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि भी अपने नाम की।

डूरंड कप की ट्रॉफियां कोलकाता पहुंचीं:

25 जुलाई से शुरू होगा 135वां संस्करण

कोलकाता, एजेंसी। डूरंड कप का 135वां संस्करण 25 जुलाई से शुरू होगा। उद्घाटन मुकाबला कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेला जाएगा, जिसमें चिर प्रतिद्वंद्वी मोहन बागान सुपर जायंट और ईस्ट बंगाल एफसी आमने-सामने होंगे।

एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट डूरंड कप के 135वें संस्करण का काउंटडाउन शुरू हो गया है। टूर्नामेंट की तीन प्रतिष्ठित ट्रॉफियां बुधवार को ट्रॉफी टूर के तहत कोलकाता पहुंचीं। इसके साथ ही पांचों मेजबान राज्यों की यात्रा पूरी हो गई। कोलकाता में आयोजित समारोह में पश्चिम बंगाल सरकार के युवा सेवा एवं खेल तथा उपभोक्ता मामलों के विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. इंद्रनील खान ने ट्रॉफियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर पूर्वी कमान के चीफ ऑफ स्टाफ और डूरंड कप आयोजन समिति के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल गंभीर सिंह समेत सेना और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। डूरंड कप का 135वां संस्करण 25 जुलाई से शुरू होगा। उद्घाटन मुकाबला कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेला जाएगा, जिसमें चिर प्रतिद्वंद्वी मोहन बागान सुपर जायंट और ईस्ट बंगाल एफसी आमने-सामने होंगे। कोलकाता में उद्घाटन मुकाबले के अलावा ग्रुप ए और बी के मैच, एक क्वार्टर फाइनल, एक सेमीफाइनल और फाइनल समेत कुल 16 मुकाबले खेले जाएंगे। फाइनल 23 अगस्त को होगा। मंत्री डॉ. इंद्रनील खान ने कहा कि कोलकाता के लिए 16 मुकाबलों की मेजबानी गर्व की बात है। उन्होंने पश्चिम बंगाल के फुटबॉल प्रेमियों से उद्घाटन मुकाबले से लेकर फाइनल तक स्टेडियम पहुंचकर भारतीय खिलाड़ियों और टीमों का उत्साह बढ़ाने की अपील की।

आयोजन समिति के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल गंभीर सिंह ने कहा कि डूरंड कप भारतीय सेना के सबसे महत्वपूर्ण खेल आयोजनों में से एक है और यह सैन्य-नागरिक साझेदारी का बेहतरीन उदाहरण है। वहीं, बंगाल सब एरिया के जीओसी और आयोजन समिति के उपाध्यक्ष मेजर जनरल दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि पूर्वी कमान के अधीन डूरंड कप का विस्तार 2032 तक होना टूर्नामेंट की बढ़ती लोकप्रियता और सफलता को दर्शाता है।

इस बार टूर्नामेंट में 24 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें श्रीलंकाई सशस्त्र बलों की एक विदेशी टीम भी शामिल है। कुल 43 मुकाबले पांच मेजबान शहरों-कोलकाता, रांची, गुवाहाटी, शिलांग और इम्फाल में छह मैदानों पर खेले जाएंगे। 1888 में शुरू हुआ डूरंड कप दुनिया की तीसरी सबसे पुरानी सक्रिय फुटबॉल प्रतियोगिता है।

जेनेराली ओपन: क्वेंटिन हैलिस, सेबेस्टियन बाएज और

मारियानो नवोन ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

किट्ज़बुहेल, एजेंसी। ऑस्ट्रिया के किट्ज़बुहेल में खेले जा रहे जेनेराली ओपन एटीपी टूर्नामेंट में बुधवार का दिन बड़े उलटफेरों के नाम रहा। क्वेंटिन हैलिस, सेबेस्टियन बाएज और मारियानो नवोन ने अपने-अपने मुकाबलों में वरीय खिलाड़ियों को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। इन नतीजों के बाद टूर्नामेंट के अंतिम आठ खिलाड़ियों के मुकाबले और भी रोमांचक हो गए हैं। फ्रांस के क्वेंटिन हैलिस ने दूसरे वरीय वैलेंटिन वचेरोट को 6-3, 6-4 से हराकर दिन का सबसे बड़ा उलटफेर किया।

29 वर्षीय हैलिस पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं, और उन्होंने पूरे मैच में शानदार नियंत्रण बनाए रखा। उन्होंने मैच के दौरान मिले एकमात्र ब्रेक प्वाइंट को भी सफलतापूर्वक बचाया और टॉप-20 रैंकिंग वाले खिलाड़ी के खिलाफ अपने करियर की पांचवीं जीत दर्ज की। इस जीत के साथ हैलिस अपने करियर के चौथे एटीपी टूर क्ले-कोर्ट क्वार्टर फाइनल और कुल नौवें टूर-स्तरीय क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। जीत के बाद हैलिस ने कहा कि यह इस साल उनके सर्वश्रेष्ठ मुकाबलों में से एक था। उन्होंने कहा कि उनकी सर्विस बेहतरीन रही और वह पहले से आखिरी अंक तक पूरी तरह फोकस में रहे। उन्होंने लगातार लंबी रैलियां खेलीं और अपने प्रतिद्वंद्वी को कठिन शॉट खेलने के लिए मजबूर किया। वचेरोट के लिए यह मुकाबला वापसी की राह में एक और चुनौती साबित हुआ। दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी मई में पैर में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण रोलां गैरो से हट गए थे और यह उनकी वापसी के बाद केवल दूसरा टूर्नामेंट था। दूसरी ओर, हैलिस ने अब तक किट्ज़बुहेल में एक भी सेट नहीं गंवाया है और अब उनका सामना अर्जेंटीना के मारियानो नवोन से होगा। मारियानो नवोन ने छठी वरीयता प्राप्त जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-0, 6-3 से हराकर शानदार प्रदर्शन जारी रखा। अप्रैल में बुखारेस्ट में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीतने वाले नवोन इस सप्ताह भी बिना कोई सेट गंवाए क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। विश्व रैंकिंग में 47वें स्थान पर काबिज नवोन ने इस सीजन 18 टूर-स्तरीय मुकाबले जीत लिए हैं, जो उनके पिछले दो सत्रों के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी है। पूर्व चैंपियन सेबेस्टियन बाएज ने भी अपनी क्ले-कोर्ट विशेषज्ञता का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने तीसरी वरीयता प्राप्त आर्थर रिंडरकनेच को दो घंटे 27 मिनट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 7-6(6), 2-6, 6-4 से हराया। बाएज के सात एटीपी खिताबों में से छह क्ले कोर्ट पर आए हैं, जिनमें 2023 का किट्ज़बुहेल खिताब भी शामिल है। अब उनका सामना जर्मनी के यानिक हनफमैन से होगा, जिन्होंने मार्को ट्रुंगेलिटी को 6-4, 7-6(2) से हराया। अन्य मुकाबलों में पांचवीं वरीयता प्राप्त इग्नासियो ब्यूस ने एक सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए स्विट्जरलैंड के क्वालीफायर किलियन फेल्डबॉश को 2-6, 6-2, 6-2 से हराया।

वहीं चौथी वरीयता प्राप्त टॉमस मार्टिन एचेवेरी ने घरेलू खिलाड़ी और क्वालीफायर जुरिज रोडियोनोव को 6-2, 7-6(4) से मात देकर अंतिम आठ में जगह बनाई।

टीम इंडिया में नहीं मिला मौका...

अब इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलेंगे कुलदीप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम को आयरलैंड दौरे पर टी20 सीरीज में 0-2 से हार झेलनी पड़ी थी. फिर इंग्लैंड टूर पर भी टीम इंडिया का बुरा हाल हुआ था. इंग्लैंड ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में भारत को 0-4 से हराया. फिर तीन मैचों की वनडे सीरीज भी इंग्लिश टीम ने 2-1 से अपने नाम की. इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में स्पिनर कुलदीप यादव भी भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन वो तीनों मैचों में बेंच पर ही बैठे रहे. कुलदीप आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर टी20 टीम का पार्ट नहीं थे, लेकिन वनडे सीरीज के दौरान टीम में रहने के बावजूद उन्हें बाहर रखना चौंकाने वाला रहा. अब कुलदीप अब इंग्लैंड में नई शुरुआत करने जा रहे हैं.

कुलदीप ने प्रतिष्ठित काउंटी क्लब यॉर्कशायर के साथ अनुबंध किया है. क्लब ने बुधवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की. कुलदीप यादव 24 जुलाई से 2 अगस्त तक यॉर्कशायर के लिए वन-डे कप के पांच मुकाबले खेलेंगे. इसके बाद वह भारत की दो टेस्ट मैचों की श्रीलंका सीरीज के लिए राष्ट्रीय टीम से जुड़ेंगे. श्रीलंका दौरा खत्म होने के बाद वह फिर इंग्लैंड लौटेंगे और यॉर्कशायर के लिए काउंटी चैम्पियनशिप के अंतिम तीन मुकाबलों में भी खेलेंगे.

क्या नीरज नहीं जीतेंगे कॉमनवेल्थ गोल्ड

● ओलिंपिक और खेल संघों की इंटरनल रिपोर्ट- भारत 28 साल में सबसे कमजोर प्रदर्शन कर सकता है

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के सामने 28 साल में अपने सबसे कमजोर प्रदर्शन का खतरा मंडरा रहा है। भारतीय ओलिंपिक संघ और अलग-अलग स्पोर्ट्स फेडरेशन की इंटरनल रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को पैरा स्पोर्ट्स सहित 13 खेलों में 32 पदक मिलने का अनुमान है, जिसमें सिर्फ 7 गोल्ड शामिल हैं। रिपोर्ट में नीरज चोपड़ा को भी गोल्ड का दावेदार नहीं माना गया है। नीरज ने 2018 में कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। वे ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट भी रहे हैं। जिन सात खिलाड़ियों को गोल्ड का दावेदार माना गया है उनके नाम आप नीचे दी गई तस्वीर में देख सकते हैं।

भारत के मेडल्स कम क्यों आएंगे?

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत की सफलता का आधार शूटिंग, कुश्ती और बैडमिंटन जैसे खेल रहे हैं। इन खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार पदक जीते हैं। ग्लासगो 2026 के कार्यक्रम में इन तीनों खेलों को शामिल नहीं किया गया है। यही भारत के लिए सबसे बड़ा झटका है। ग्लासगो 2026 में बर्मिंघम 2022 के 19 की तुलना में सिर्फ 10 खेल होंगे। भारत के कई मेडल स्पोर्ट्स शूटिंग, कुश्ती, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, हॉकी, स्क्वैश और क्रिकेट इस बार शामिल नहीं हैं। बर्मिंघम में भारत के 61 में से 30 मेडल इन्हीं खेलों से आए थे। यही वजह है कि इस बार भारत का प्रदर्शन केवल खिलाड़ियों की फॉर्म पर नहीं, बल्कि गेम्स के स्पोर्ट्स प्रोग्राम पर भी निर्भर करेगा।

बांगलादेश के खिलाफ क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन की घोषणा

सिडनी, एजेंसी। युवा खिलाड़ी सैम कॉन्स्टास और कैंपबेल केलावे को डार्विन में अगले महीने बांगलादेश के खिलाफ होने वाले दौरे के लिए 'क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन' में शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ता भविष्य में टेस्ट मैचों में ओपनिंग करने वाले खिलाड़ियों के तौर पर इन दोनों खिलाड़ियों को टीम में जगह दी है। न्यू साउथ वेल्स के खिलाड़ी और दो टेस्ट मैच खेल चुके कर्टिस पैटरसन को भी टीम में जगह मिली है, जिससे पता चलता है कि वे अभी भी राष्ट्रीय स्तर पर अहम खिलाड़ी हैं। वहीं, वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के ऑफ-स्पिनर कोरी रोचिचिओली को भी शामिल किया गया है, ताकि उन्हें भारत के आगामी'ऑस्ट्रेलिया ए'और टेस्ट दौरों (जो क्रमशः सितंबर और जनवरी में होने हैं) के लिए तैयार किया जा सके।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन बनाम बांग्लादेश टीम इस प्रकार है: कैंपबेल केलावे, कैंपबेल थॉम्पसन, कोरी रोचिचिओली, हैनो जैकब्स, जेक डोरन, जेरसिस वाडिया, जोश फिलिप, कर्टिस पैटरसन, सैम कॉन्स्टास, टीग विली, टॉम मेंज़ीज़, टॉम रोजर्स, ज़ेवियर क्रोन, नूह मैकफैडेन।